NNI
हर खबर पर पक्की नजर
मूल्यों और आदर्शों के कर्म पथ पर जनहित की आवाज
दैनिक हिन्दी समाचार पत्र
न्यूज नेक्स्ट इण्डिया
सत्यता व निष्पक्षता का पंचम वर्ष
www.nnindianews.com
वर्ष : 05, अंक :-96, पृष्ठ : 12 | शनिवार, 11 अक्टूबर, 2025 | मूल्य- 03.00 रुपये मात्र

अफगानी मंत्री ने महिला पत्रकारों की एंट्री रोकी

कांग्रेस ने साधा निशानाः प्रियंका का पीएम मोदी से सवाल- महिलाओं का अपमान कैसे होने दिया; केंद्र बोला- हमारा कोई रोल नहीं

नई दिल्ली। अफगानिस्तान के विदेश मंत्री अमीर खान मुत्तकी की प्रेस कॉन्फ्रेंस में महिला पत्रकारों की एंट्री पर रोक लगाने पर विवाद हो गया है। कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा ने पीएम मोदी से पूछा- भारत में हमारे ही देश की कुछ सबसे सक्षम महिलाओं का अपमान कैसे होने दिया गया, जबकि महिलाएं ही देश की रीढ़ और गौरव हैं।

वहीं, विवाद बढ़ने पर भारत के विदेश मंत्रालय ने कहा कि अफगानिस्तान के विदेश मंत्री की प्रेस कॉन्फ्रेंस में उनका कोई रोल नहीं था। न ही उनकी तरफ से पत्रकारों को बुलाया गया था। यह प्रेस कॉन्फ्रेंस अफगानी एंबेसी में हुई थी। विदेश मंत्रालय ने कहा- जब अफगानिस्तानी मंत्री दिल्ली आए तो मुंबई स्थित अफगानिस्तान के काउंसिल जनरल ने ही 10 अक्टूबर को चुनिंदा पत्रकारों को आमंत्रण भेजा था। अफगान दूतावास भारत सरकार के अधिकार क्षेत्र में नहीं आता है। बता दें कि अफगानी विदेश मंत्री 9 से 16 अक्टूबर तक भारत दौरे पर हैं।

अफगानिस्तान के कार्यवाहक विदेश मंत्री अमीर मुत्तकी 9 अक्टूबर से भारत दौरे पर हैं। उन्होंने शुक्रवार को भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर के साथ द्विपक्षीय वार्ता की। दोनों मंत्रियों की मीटिंग के बाद कोई जॉइंट प्रेस कॉन्फ्रेंस नहीं हुई। अफगानी मंत्री ने अकेले अफगानिस्तान दूतावास में मीडिया से बात की। हालांकि, इस प्रेस कॉन्फ्रेंस में केवल चुनिंदा पुरुष पत्रकार और अफगान दूतावास के अधिकारी ही शामिल हुए।

पीएम मोदी ने किसानों को दी हजारों करोड़ की सौगात

बोले- पिछली सरकारों ने खेती को उसके हाल पर छोड़ा

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को देश के किसानों को बड़ी सौगात दी। प्रधानमंत्री ने कृषि क्षेत्र के लिए करीब 35,440 करोड़ रुपये की दो अहम योजनाओं की शुरूआत की। इसमें करीब 24 हजार करोड़ रुपये की 'धन धान्य कृषि योजना' की भी शुरूआत की गई। पीएम मोदी ने नई दिल्ली स्थित भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान में विशेष कृषि योजना में शिरकत की। कार्यक्रम में पीएम मोदी ने लोकनायक जयप्रकाश की जयंती के अवसर पर जेपी को श्रद्धांजलि अर्पित की।

प्रधानमंत्री धन धान्य कृषि योजना के तहत सरकार देश के 100 जिलों में कृषि उत्पादन को बढ़ाने, किसानों को कर्ज देने, सिंचाई और फसलों में विविधता और फसल प्रबंधन को बेहतर करने का लक्ष्य तय किया गया है। साथ ही पीएम मोदी ने दालों में मामले में देश को आत्मनिर्भर बनाने के लिए छह वर्षीय मिशन योजना की भी शुरूआत की। यह योजना 11,440 करोड़ रुपये की है। करीब 3,650 करोड़ रुपये की लागत से कृषि आधारभूत ढांचा फंड योजना की शुरूआत की गई है। पशुपालन के लिए 17 विभिन्न प्रोजेक्ट्स के लिए करीब 1166 करोड़ रुपये भी जारी किए

गए हैं। पीएम मोदी ने मतस्य पालन योजना के लिए भी करीब 693 करोड़ रुपये मंजूर किए हैं। फूड प्रोसेसिंग उद्योग को बढ़ावा देने के लिए करीब 800 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। सरकार किसानों के बीच प्राकृतिक खेती को लोकप्रिय करने के लिए भी योजना चला रही है। विशेष कृषि कार्यक्रम में हिस्सा लेने से पहले पीएम मोदी ने विभिन्न किसानों से मुलाकात की और उनसे कृषि क्षेत्र की चुनौतियों और इस क्षेत्र में हो रहे सकारात्मक बदलावों पर चर्चा की। कृषि योजनाओं के लॉन्च के बाद अपने संबोधन में पीएम मोदी ने कहा, 'आज 11 अक्टूबर का दिन बहुत ऐतिहासिक है। आज भारत माता के दो महान रत्नों की जयंती है जिन्होंने इतिहास रचा।

पश्चिम बंगाल के दुगार्पुर में मेडिकल स्टूडेंट से गैंगरेप

बर्धमान। पश्चिम बंगाल के पश्चिम बर्धमान जिले के दुगार्पुर में एक मेडिकल स्टूडेंट के साथ गैंगरेप हुआ। पीड़ित अपने एक पुरुष दोस्त के साथ डिनर पर गई थी। वापस लौटते समय कुछ युवकों ने उनका रास्ता रोका। फिर उसके साथी को वहां से भगाकर छात्रा से दरिंदगी की। पुलिस ने शनिवार को बताया कि पीड़ित ओडिशा के जलेश्वर की रहने वाली है और दुगार्पुर के एक प्राइवेट मेडिकल कॉलेज में सेकेंड ईयर की स्टूडेंट है। यह घटना मेडिकल कॉलेज कैंपस के बाहर हुई। मेडिकल छात्रा का पास के एक अस्पताल में इलाज चल रहा है। छात्रा के साथ गैंगरेप की घटना रात करीब 8:30 से 9 बजे के बीच की बताई जा रही है। आज सुबह छात्रा के माता-पिता दुगार्पुर पहुंचे। छात्रा के पिता ने कहा- हमने अपनी बेटी को यहां मेडिकल की पढ़ाई के लिए भेजा था। सुना था कि कॉलेज अच्छा है, लेकिन यहां उसके साथ ये सब हो गया। पीड़ित के माता-पिता की शिकायत पर दुगार्पुर न्यू टाउन थाने में मामला दर्ज किया गया है। पुलिस ने बताया कि छात्रा का बयान दर्ज कर लिया गया है और जांच जारी है। अभी तक मामले में किसी आरोपी की पहचान या गिरफ्तारी नहीं सकी है।

'पटाखों पर पूरी तरह बैन लगाना असंभव'

सुप्रीम कोर्ट-यह व्यावहारिक और आदर्श नहीं

एनएनआई

नई दिल्ली। दिवाली से कुछ दिन पहले सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को दिल्ली-एनसीआर में पटाखों पर बैन हटाने की याचिका पर सुनवाई की। इस दौरान कोर्ट ने कहा- दिल्ली-एनसीआर में पटाखों पर बैन लगाना असंभव सा है। यह व्यावहारिक और आदर्श नहीं है।

चीफ जस्टिस बीआर गवई और जस्टिस विनोद चंद्रन की बेंच ने कहा कि ऐसे प्रतिबंधों का अक्सर उल्लंघन होता है। इसी के साथ बेंच ने दिल्ली-एनसीआर में ग्रीन पटाखों को बनाने और बेचने की परमिशन देने वाली याचिकाओं पर अपना फैसला सुरक्षित रख लिया। सुनवाई के दौरान केंद्र और दिल्ली-एनसीआर के राज्यों की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा- बच्चों को त्योहार मनाने दें। बिना टाइम लिमिट और रोक-टोक पटाखे फोड़ने दिए जाएं।

इससे पहले 26 सितंबर को सुप्रीम कोर्ट ने सर्टिफाइड ग्रीन पटाखे बनाने की मंजूरी दी थी, लेकिन बिना कोर्ट की इजाजत ठउफ में बिक्री न करने की शर्त रखी थी। दिल्ली-एनसीआर में दिल्ली और उत्तर प्रदेश, राजस्थान और हरियाणा के 16 जिले आते हैं।

7 सालों से दिल्ली-एनसीआर में पटाखों पर बैन दरअसल, 2017 में पहली बार सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली-एनसीआर में पटाखों पर बैन लगाते हुए ग्रीन पटाखे जलाने का आदेश दिया था। इसके बाद 2018 में पटाखों पर पूरी तरह से प्रतिबंध लगा दिया गया। 2024 तक यह बैन लगा रहा, लेकिन सुप्रीम कोर्ट और सरकारी आंकड़ों के अनुसार प्रदूषण स्तर ज्यादा नहीं घटा। साथ ही लोग अक्सर प्रतिबंध तोड़ते रहे।

इसी वजह से दिवाली पर बैन का उल्लघंन होने के बाद कोर्ट ने दिल्ली में सभी तरह के पटाखों के निर्माण, भंडारण, बिक्री और फोड़ने पर रोक लगा दी। 19 दिसंबर 2024 को दिल्ली सरकार ने 2025 के पूरे साल पटाखों पर बैन का नोटिफिकेशन जारी किया था। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को भी सुनवाई के दौरान पूछा कि 2018 से पटाखों पर चल रहे पूर्ण प्रतिबंध कोई ठोस असर पड़ा है या हवा की गुणवत्ता में सुधार हुआ है। इसके जवाब में सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा- प्रदूषण का स्तर करीब वही रहा। हालांकि, कोविड लॉकडाउन के दौरान इंडस्ट्रीज और वाहन गतिविधियां बंद थीं तो प्रदूषण कम हुआ था।

दिल्ली-एनसीआर राज्यों की ओर से सुप्रीम कोर्ट को 8 सुझाव...

दिवाली पर ग्रीन पटाखे: रात 8 बजे से 10 बजे तक ग्रीन पटाखे फोड़ने की अनुमति दी जाए।

सिर्फ ग्रीन पटाखे: नेशनल एनवायरमेंट इंजीनियरिंग रिसर्च इंस्टीट्यूट की ओर से प्रमाणित ग्रीन पटाखों का ही निर्माण और बिक्री हो।

जॉइंट पटाखों पर रोक: जॉइंट पटाखे या लड़ी का निर्माण, बिक्री और उपयोग न हो।

लाइसेंस व्यापारी: पटाखों की बिक्री केवल लाइसेंस प्राप्त व्यापारियों के जरिए हो और वे केवल ग्रीन पटाखे बेचें।

ऑनलाइन बिक्री पर रोक: फ्लिपकार्ट, अमेजन जैसे ई-कॉमर्स वेबसाइट्स पर पटाखों के ऑनलाइन ऑर्डर और बिक्री पर रोक लगे।

क्रिसमस और नए साल पर परमिशन: क्रिसमस और नए साल पर रात 11:55 बजे से 12:30 बजे तक ग्रीन पटाखे फोड़ने की परमिशन दी जाए।

गुरु परब पर समय: गुरु परब पर सुबह 4 बजे से 5 बजे और रात 9 बजे से 10 बजे तक ग्रीन पटाखे फोड़ने की अनुमति हो।

शादी और अन्य अवसर: शादी और अन्य अवसरों पर ग्रीन पटाखों की बिक्री व उपयोग की परमिशन दी जाए।

अयोध्या: राम मंदिर के शिखर पर 22 फीट लंबा ध्वज फहराएंगे पीएम मोदी

अयोध्या। राम मंदिर के शिखर पर फहराए जाने वाले ध्वज का आकार-प्रकार और रंग रूप तय हो गया है। विवाह पंचमी के दिन 25 नवंबर को आयोजित ध्वजारोहण समारोह में पीएम नरेंद्र मोदी 191 फीट ऊंचे राम मंदिर के शिखर पर यह ध्वज फहराएंगे। यह निर्णय राम मंदिर की धार्मिक समिति की शुक्रवार को हुई बैठक में लिया गया है।

राम मंदिर के शिखर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी त्रिकोण आकृति में भगवा रंग के 11 फीट चौड़े और 22 फीट लंबे ध्वज को फहराएंगे, जिस पर सूर्यवंशी और त्रेता युग का चिह्न स्थापित किया जाएगा। श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ने इस पर सहमति बना ली है। शुक्रवार को श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के धार्मिक समिति के सदस्यों की अहम बैठक जानकी घाट स्थित वैदेही भवन में हुई। धार्मिक समिति के सदस्य गोपाल राव ने बताया कि बैठक में 25 नवंबर को होने वाले ध्वजारोहण कार्यक्रम की रूपरेखा पर मंथन किया गया है।

दीपोत्सव के बाद सभी अतिथियों को निमंत्रण पत्र भेजा जाएगा। बताया कि ध्वजारोहण कार्यक्रम के स्वरूप पर भी मंथन हुआ है। कौन-कौन से कार्यक्रम किए जाने हैं, इस पर अभी विचार चल रहा है। ध्वजारोहण समारोह में आठ से 10 हजार मेहमान शामिल होंगे।

बीआरओ के 70 आरसीसी के जवानों ने सिर्फ 24 घंटे के भीतर 16,500 फीट ऊंचे बारालाचा दर्रे से बर्फ हटाकर मनाली-लेह सामरिक मार्ग को बहाल कर दिया है। माइनस 10 डिग्री तापमान भी सीमा सड़क संगठन (बीआरओ) के जज्बे को पस्त नहीं कर सका। लगातार गिरती बर्फ के बावजूद बीआरओ के 70 आरसीसी के जवानों ने सिर्फ 24 घंटे के भीतर 16,500 फीट ऊंचे बारालाचा दर्रे से बर्फ हटाकर मनाली-लेह सामरिक मार्ग को बहाल कर दिया है। 24 घंटे में बीआरओ ने दारचा से किलिंग सराय तक करीब 100 किलोमीटर मार्ग से बर्फ हटाई। बर्फ हटने के बाद अब बारालाचा दर्रे की दोनों ओर फंसे 500 से अधिक वाहन सुरक्षित रूप से अपने गंतव्य की ओर रवाना हो गए हैं। इस मिशन की अगुवाई 70 आरसीसी के ओसी लेफ्टिनेंट कर्नल तेजस मोरे ने खुद फील्ड में रहकर की। सात और आठ अक्तूबर को हुई अचानक बर्फबारी से मनाली-लेह सामरिक मार्ग बंद हो गया।

'वो मेरी मेहमान रह चुकी, बड़ों से रिश्ता रहा'

आजम ने की मायावती की तारीफ, राजनीतिक गलियारों में हलचल तेज

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता आजम खां ने बहुजन समाज पार्टी (बसपा) सुप्रीमो मायावती की जमकर तारीफ करते हुए बयान दिया है। उन्होंने कहा कि वह और पूरा देश मायावती का सम्मान करता है और वह एक बड़े जनसमूह की नेता हैं।

आजम खां के इस बयान से उन उन चर्चाओं को एक बार फिर बल मिल गया है, जिनमें कहा जा रहा था कि आजम बसपा की तरफ रुख कर सकते हैं। मीडिया को दिए इंटरव्यू में आजम खां ने मायावती के साथ अपने पुराने रिश्ते को याद किया। कहा, जब वह रैली में रामपुर आईं थीं, तब मेरी मेहमान थीं। मेरा उनके बड़ों से भी रिश्ता रहा है। उन्होंने

एक दिलचस्प वाकया साझा करते हुए कहा, ये बात किसी को नहीं मालूम कि लखनऊ में सुबह जब मैं फज्र की नमाज पढ़ता था, तब कांशीराम जी उनसे (मायावती) मिलने आते थे और आधा-एक घंटे बात करके जाते थे। मायावती के प्रति सम्मान जताते हुए आजम खां ने कहा कि मैं कोई ऐसी बात नहीं कह सकता जो उनके लिए दुख का कारण बने या शिकायत का सबब बने।

लखनऊ रैली में मायावती की ओर से सपा सरकार पर लगाए गए आरोपों के सवाल पर आजम खां ने सफाई देते हुए कहा, ये राजनीतिक सवाल है और उनकी राजनीतिक शिकायत है। इसका जवाब जो हमारे यहां उनके स्तर के हैं, वे ही देंगे। पिछले दस वर्षों को याद करते हुए उन्होंने कहा, मैं तो आठ-दस बरस से ऐसे हालात का शिकार हूं कि मुझे यही नहीं मालूम कौन सा पार्क कहां था, कहां है। दस साल बड़े ही सख्त गुजरे हैं।

'इसे मुझे दे दो, मैंने नहीं कहा'

नोबेल शांति पुरस्कार पर बोले ट्रंप

वाशिंगटन डीसी। नोबेल शांति पुरस्कार नहीं मिल पाने से मायूस डोनाल्ड ट्रंप के जख्मों पर वेनेजुएला की विपक्षी नेता मारिया कोरिना मशादो ने मरहम लगाने की कोशिश की। उन्होंने अपना नोबेल शांति पुरस्कार डोनाल्ड ट्रंप को समर्पित किया है। वहीं मारिया के इस कदम पर अब डोनाल्ड ट्रंप का रिएक्शन भी सामने आया है।

डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि जिस शख्स को नोबेल पुरस्कार मिला है, उसने आज मुझे फोन किया और कहा,'मैं इसे आपके सम्मान में स्वीकार कर रही हूं क्योंकि आप वास्तव में इसके हकदार थे'। हालांकि, मैंने यह नहीं कहा, 'इसे मुझे दे दो'। मुझे लगता है कि उसने ऐसा किया होगा। मैं तो उसकी मदद करता रहा हूं। मैं खुश हूं क्योंकि मैंने लाखों लोगों की जान बचाई है।र वेनेजुएला के लोगों के लिए लोकतांत्रिक अधिकारों को बढ़ावा देने के लिए मारिया कोरिना मचाडो को 2025 का नोबेल शांति पुरस्कार दिया गया।

स्वामी वीरेन अग्रवाल प्रकाशक विवेक खंडेलवाल मुद्रक इम्प्रेशन प्रिंटिंग एवं पैकेजिंग लिमिटेड, सिकंदरा रोड, गुरु का ताल, आगरा से मुद्रित एवं बृज वैलबिल्ट प्राइवेट लिमिटेड, फ्लैट 302 तीसरी मंजिल ब्लॉक E /11/8 संजय प्लेस आगरा से प्रकाशित। RNI Registration No., UPHIN/2021/88376। प्रधान संपादक अरविन्द सिंह। चेयरमैन-स्वतंत्र कुमार। प्रबंध निदेशक ब्रजेश सिकरवार। E MAIL newsnextindia1@gmail.com, Website:-www.nnindianews.com
(प्रधान संपादक इस अंक में समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी आर बी एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी है)

NNI
हर खबर पर पक्की नजर
मूल्यों और आदर्शों के कर्म पथ पर जनहित की आवाज
दैनिक हिन्दी समाचार पत्र
न्यूज नेक्स्ट इण्डिया
आगरा ब्रज
www.nnindianews.com
शनिवार, 11 अक्टूबर, 2025

चीफ लोको पायलट के खिलाफ आय से अधिक संपत्ति का केस

एनएनआई

मथुरा। रेलवे के चीफ लोको इंस्पेक्टर की आय से अधिक संपत्ति की जांच सतर्कता विभाग ने की है इस प्रकरण में उनको चार्जशीट दी गई है।

रेलवे कर्मचारियों को संपत्ति खरीदने के लिए मंडल रेलवे प्रबंधक कार्यालय से अनुमति लेनी होती है, जिसमें स्पष्ट करना होता है, धन कहां से आया है। चीफ लोको इंस्पेक्टर के पद पर कार्यरत सावन कुमार की करोड़ों रुपये की संपत्ति की शिकायत हुई। रेलवे के सतर्कता विभाग ने जांच की और स्पष्टीकरण मांगा।

अधिकारी संतुष्ट नहीं हुए और अनुशासिनक प्राधिकारी उत्तर मध्य रेलवे आगरा पवन कुमार जयंत ने सावन कुमार को चार्जशीट दी है, जिसमें कहा गया है कि सावन कुमार सत्यनिष्ठा व कर्तव्य पालन में विफल

रहे। उन्होंने रेलवे सेवक आचरण नियमावली के नियमों का उल्लंघन किया है। चंद्रपुरी कालोनी मौजा बिरजापुर तहसील व जिला मथुरा में एक 162.02 वर्गमीटर का आवासीय मकान था।

इसकी रजिस्ट्री सावन कुमार व उनकी पत्नी के नाम से एक फरवरी 2011 को हुई थी। इस आवासीय मकान को सावन कुमार ने अप्रैल 2022 में बेच दिया। ओमेक्स एटर्निटी मौजा सुनरख बांगर तहसील व जिला मथुरा में एक आवासीय इकाई 32.77 वर्ग मीटर की रजिस्ट्री सावन कुमार के नाम पर चार नवंबर 2022 को हुई थी।

मुहल्ला अंबाखार में और मौजा ईशापुर बांगर तहसील महावन में भी रजिस्ट्री हुईं। उनके नाम एक गाड़ी भी है। पीआरओ प्रशस्ति श्रीवास्तव ने बताया कि सावन कुमार को आय से अधिक संपत्ति के प्रकरण में चार्जशीट दी गई है।

उधर, सावन कुमार का कहना है कि उनके या उनके परिवार के द्वारा सभी संपत्ति के लेनदेन की जानकारी डीआरएम कार्यालय को दी गई है। 28 अक्टूबर 2023 को भाई सतीश के साथ कुछ लोगो ने बाजार में झगड़ा किया। करीब 10 व्यक्तियों ने डंडा, लोहे की रोड आदि से हमला किया था। मेरी सीधी आंख भी चोटिल हो गई थी। शिकायतकर्ता नीरज के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई थी। दोषी व्यक्तियों को सजा हो सकती है, इसके लिए मेरे पर समझौता का दबाव बनाया जा रहा है । इसलिए झूठी शिकायत की गई।

हाथरस में आतिशबाजी गोदाम सील, एसडीएम ने की कार्रवाई

एनएनआई

हाथरस। हाथरस में दिवाली से पहले प्रशासन ने आतिशबाजी गोदामों की जांच तेज कर दी है। इसी क्रम में एसडीएम सदर ने एक आतिशबाजी गोदाम पर छापा मारकर उसे सील कर दिया। यह कार्रवाई तब की गई जब दुकानदार एक ही लाइसेंस पर दो गोदाम चला रहा था।

एसडीएम सदर राजबहादुर सिंह को खंडेलवाल नामक फर्म के खिलाफ शिकायत मिली थी। शिकायत में कहा गया था कि फर्म बिना वैध लाइसेंस के आतिशबाजी की दुकान और गोदाम संचालित कर रही है। इसी सूचना पर एसडीएम ने प्रियांशु खंडेलवाल के बुर्जवाला कुआं और इगलास रोड स्थित गोदामों पर छापा मारा।

एसडीएम ने बताया कि प्रियांशु खंडेलवाल के पास केवल एक आतिशबाजी लाइसेंस है। वह दूसरे गोदाम के लिए कोई वैध लाइसेंस प्रस्तुत नहीं कर सके। उन्हें शनिवार

तक का समय दिया गया है ताकि वे आवश्यक दस्तावेज दिखा सकें। यदि वे ऐसा करने में विफल रहते हैं, तो उनके खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। इस कार्रवाई के अतिरिक्त, एसडीएम ने क्षेत्र में अन्य आतिशबाजी की दुकानों का भी निरीक्षण किया और उनकी जांच-पड़ताल की। प्रशासन का कहना है कि दिवाली के मद्देनजर सुरक्षा मानकों और लाइसेंस नियमों का सख्ती से पालन सुनिश्चित किया जाएगा।

यमुना में मछली पकड़ते समय किशोर डूबा, तलाश जारी

एनएनआई

फिरोजाबाद। यमुना नदी में मछली पकड़ने के दौरान शुक्रवार को एक 17 वर्षीय किशोर की डूबकर मौत हो गई। घटना उस समय हुई जब किशोर अपने दोस्तों के साथ नदी किनारे मछली पकड़ रहा था। पुलिस और पीएसी के गोताखोर उसकी तलाश में जुटे हुए हैं।

थाना टूंडला क्षेत्र के गांव मेहरी निवासी श्रीकांत अपने साथी राजकुमार, शिवम और अजीत के

साथ थाना नगला सिंघी क्षेत्र के गांव नगला नंदा के पास यमुना नदी में मछली पकड़ने गया था। मछली पकड़ते समय श्रीकांत अचानक गहरे पानी में चला गया और डूबने लगा ।दोस्तों ने उसे बचाने की कोशिश की, लेकिन वे सफल नहीं हो सके। इसके बाद वे भागकर गांव पहुंचे और लोगों को घटना की जानकारी दी। सूचना मिलते ही सीओ अंबरीश कुमार और थानाध्यक्ष पारुल मिश्रा पुलिस बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे। स्थानीय गोताखोरों की मदद से खोज अभियान शुरू किया गया। देर शाम तक श्रीकांत का कोई सुराग नहीं मिल सका। घटनास्थल पर परिजन और ग्रामीणों की भारी भीड़ लगी रही।

फिरोजाबाद में टेंट गोदाम में लगी आग, सामान जलकर खाक, बड़ा हादसा टला

एनएनआई

फिरोजाबाद। टूंडला के स्टेशन रोड स्थित सरस्वती नगर में शनिवार सुबह एक टेंट गोदाम में आग लग गई। सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड और पुलिस मौके पर पहुंची और कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। इस घटना में कोई जनहानि नहीं हुई, जिससे एक बड़ा हादसा टल गया।

यह घटना सुबह करीब 6 बजे केनरा बैंक के पीछे बने जे.जे. टेंट हाउस के गोदाम में हुई। यह गोदाम उमेश श्रीवास्तव का बताया जा रहा है। आग लगने का स्पष्ट कारण अभी सामने नहीं आया है, लेकिन शुरूआती जांच में शॉर्ट सर्किट को

वजह माना जा रहा है।

आग की लपटें देखकर स्थानीय लोगों ने तुरंत पुलिस को सूचना दी। टूंडला थाना पुलिस और फायर ब्रिगेड की टीम ने मौके पर पहुंचकर आग बुझाने का काम शुरू किया। गोदाम में रखे कपड़े, सजावटी सामान और अन्य सामग्री जलकर खाक हो गई, जिससे भारी आर्थिक नुकसान का अनुमान है।

गनीमत रही कि इस हादसे में किसी व्यक्ति को कोई चोट नहीं आई। यदि आग पर समय रहते काबू नहीं पाया जाता, तो यह आसपास की इमारतों तक फैल सकती थी। पुलिस और दमकल कर्मियों की त्वरित कार्रवाई से एक बड़ी त्रासदी को टाला जा सका। टेंट हाउस संचालक उमेश श्रीवास्तव ने बताया कि गोदाम में शादी और अन्य आयोजनों के लिए रखा कीमती सामान आग की भेंट चढ़ गया। उन्होंने प्रशासन से इस मामले की उचित जांच की मांग की है। पुलिस ने घटना के संबंध में आवश्यक विधिक कार्रवाई शुरू कर दी है और आग लगने के वास्तविक कारणों की जांच जारी है। सुबह-सुबह हुई इस घटना से स्थानीय निवासियों में दहशत फैल गई। लोग अपने घरों से बाहर निकल आए और आग की लपटों को देखकर चिंतित हो गए। फायर ब्रिगेड के पहुंचने से पहले कुछ लोगों ने बाल्टी और पाइपों से पानी डालकर आग बुझाने का प्रयास भी किया। सीएफओ सत्येंद्र पांडे का कहना है कि सूचना पर फायर ब्रिगेड की गाड़ी मौके पर पहुंच गई थी, जिन्होंने आग पर काबू पा लिया।

घर के अंदर चार कमरों में मिला पटाखों का गोदाम

एनएनआई

आगरा। सिकंदरा स्थित मोहम्मदपुर में लाइसेंस धारक ने मानकों की अनदेखी कर पटाखों का भंडारण कर रखा था। दो परिवारों के बीच क्षमता से अधिक दोगुनी मात्रा में पटाखे रखे थे। शुक्रवार को एसीपी हरीपर्वत ने गोदाम पर जांच की तो यह मामला सामने आया। अब सिकंदरा पुलिस संचालक के खिलाफ कार्रवाई की तैयारी कर रही है।

एसीपी हरीपर्वत अक्षय संजय महाडिक ने बताया कि मोहम्मदपुर में एडीए हाईट्स के पास सतीश गोयल ने पटाखों के भंडारण और बिक्री का लाइसेंस लिया था, जिसकी क्षमता 1500 किलोग्राम की थी। दुकानदार ने चार कमरों में गोदाम बना रखा था। दो परिवार भी रह रहे थे। पटाखे क्षमता से अधिक पाए गए। घरों में चूल्हे जलाने के लिए सिलिंडर का प्रयोग भी समीप ही हो रहा था। इससे जहां आग लगने का खतरा था, वहीं जान भी जा सकती थी। यह लाइसेंस के नियमों का उल्लंघन था। दुकानदार कोई जवाब नहीं दे सका। गोदाम पर बिक्री को रोक दी गई और थाना सिकंदरा पुलिस को कार्रवाई के लिए लिखा गया। आतिशबाजी का अवैध भंडारण कई बार हादसा करा चुका है। अक्तूबर 2019 में किनारी बाजार में पटाखों से आग लगी थी।

बिक्री के स्थान चिह्नित नहीं, मांगी रिपोर्ट

डीसीपी सिटी सोनम कुमार ने बताया कि शहर में पटाखों की बिक्री के लिए अभी स्थान चिह्नित नहीं हैं। पूर्व में जो स्थान थे, उनको ही प्रमुखता से पटाखों की बिक्री के लिए रखा जाएगा। हालांकि थाना पुलिस से रिपोर्ट मांगी गई है। जल्द ही आवेदन मांगे जाएंगे। लाटरी से आवंटन किया जाएगा। विक्रेताओं को नियमों का पालन करना होगा। उतना ही भंडारण करना होगा, जितना मानक के अनुरूप होगा। जहां पर दुकान होंगी, वहां पर एक दुकान से दूसरी दुकान की दूरी 10 फीट होगी। पानी के अलावा बालू के इंतजाम करने होंगे। गोदाम मालिक भी नियमों का पालन नहीं करेंगे तो लाइसेंस निरस्त किया जाएगा।

इस बार 29 जगहों पर लगेंगी 578 अस्थाई आतिशबाजी की दुकानें, नियम-शर्तें जारी

एनएनआई

आगरा। इस बार 29 जगहों पर 578 अस्थाई आतिशबाजी की दुकानें लगेंगी। डीसीपी कार्यालयों में 10 से 13 अक्टूबर तक आवेदन लिए जा रहे हैं। सीएफओ देवेंद्र कुमार सिंह ने बताया कि दुकानों पर आग बुझाने के इंतजाम जरूरी होंगे। 19 से 23 अक्टूबर तक बिक्री की अनुमति रहेगी। सुरक्षा शर्तें न मानने पर लाइसेंस रद्द होंगे।

दीपावली के त्योहार पर लगने वाली आतिशबाजी की दुकानों के लाइसेंस लेने के लिए डीसीपी सिटी, डीसीपी ईस्ट और डीसीपी वेस्ट के कार्यालय में आवेदन किये जा रहे हैं। आवेदन में रखी गईं शर्तें पूरी होने पर लाइसेंस दिये जा रहे हैं। इस साल जिले में 29 स्थानों पर करीब 578

आतिशबाजी की अस्थाई दुकान लगाई जायेंगी। सीएफओ देवेन्द्र कुमार सिंह का कहना है कि प्रत्येक दुकानदार को आग बुझाने के इंतजाम करने के आदेश दिये जा रहे हैं।आतिशबाजी का लाइसेंस लेने के लिए एक व्यक्ति एक ही आवेदन कर सकता है। 10 से 13 अक्टूबर तक लाइसेंस लेने के लिए आवेदन लिये जायेंगे। अधिकारियों ने 19 से 23 अक्टूबर तक दुकानों पर आतिशबाजी की बिक्री का समय निर्धारित किया है। लाइसेंस देने के दौरान शर्तें भी रखी गई हैं। तीन तीन फीट की दूरी पर दुकान बनाई जायेंगी। दुकानों पर नाबालिग लड़कों को न बैठाने की हिदायत दी गई है, सीएफओ देवेन्द्र कुमार के निर्देश पर फायर विभाग के अधिकारी अपने अपने क्षेत्र में पहुंचकर निरीक्षण कर रहे हैं। सीएफओ देवेन्द्र कुमार सिंह का कहना है कि जनपद में 36 स्थानों पर अस्थाई और 22 स्थानों पर आतिशबाजी का भंडारण किया जा रहा है। मेट्रो का कार्य चलने के कारण इस साल अब्बु उल्लाह दरगाह पर आतिशबाजी की दुकान नहीं लगाई जायेंगी। सीएफओ ने प्रतिबंधित पटाखे न बेचने की हिदायत दुकानदारों को दी है। मानक पूरे न होने पर दुकानों के लाइसेंस निरस्त किये जायेंगे।

सीजेआई के साथ घटना निंदनीय प्रयास

एनएनआई

आगरा। भारत के मुख्य न्यायाधीश पर जूता फेंकने के विरोध में आम आदमी पार्टी द्वारा राष्ट्रपति महोदया के नाम एक ज्ञापन डीएम आगरा अरविंद मलप्पा बांगरी को दिया। ज्ञापन देने के मौके पर जिलाध्यक्ष पंडित सिद्धार्थ चतुर्वेदी ने कहा कि मुख्य न्यायाधीश पर जूता फेंकने का प्रयास करने वाले व्यक्ति ने खुलेआम टेलीविजन पर अपने कृत्य पर गर्व व्यक्त किया, जो अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण और कानून के शासन का खुला उल्लंघन है। यह देश के सर्वोच्च न्यायिक पद पर बैठे एक दलित के बेटे का जानबूझकर किया

गया अपमान है, जिसे भाजपा और उसके संरक्षण प्राप्त अराजक तत्वों द्वारा किया जा रहा है, जब सोशल मीडिया पर भाजपा के बारे में अमर्यादित टिप्पणी करने वाला अजीत भारती सार्वजनिक रूप से 'सरकार भी हमारी, सिस्टम भी हमारा' जैसे बयान देता है और इसके बाद उसे थाने से छुड़ाकर भाजपा का राष्ट्रीय प्रवक्ता अपने साथ ले गया जिससे यह स्पष्ट होता है कि इस नफरती कार्रवाई को मोदी सरकार का खुला संरक्षण प्राप्त है।

आम आदमी पार्टी जिलाध्यक्ष पंडित सिद्धार्थ चतुर्वेदी ने मांग की कि मुख्य न्यायाधीश के खिलाफ सोशल मीडिया पर अपमानजनक वीडियो और टिप्पणियां करने वाले सभी व्यक्तियों और ट्विटर हैंडल्स की पहचान कर उन्हें तुरंत गिरफ्तार किया जाए और उनके खिलाफ आपराधिक मामले दर्ज किए जाएं। ज्ञापन देने वालों में मुख्य रूप से जिला उपाध्यक्ष ताजुद्दीन खान, जिला कोषाध्यक्ष मोहित अग्रवाल, जिला सचिव संजय भारती, महानगर उपाध्यक्ष रामसेवक धाकरे आदि लोग उपस्थित रहे।

वैधानिक सूचना

सुधि पाठकों से आग्रह है कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन में दिए गये तथ्यों, शर्तों और दावों के प्रति विज्ञापन दाता खुद ही जिम्मेदार है, पाठकों से आग्रह है कि वह प्रकाशित विज्ञापन से प्रभावित होकर कोई कदम उठाने से पहले अपने स्तर पर भी स्वयं के संतुष्ट होने तक संपूर्ण व्यावहानिक जानकारी कर लें। किसी भी विज्ञापन से पाठकगण को कोई असुविधा या परेशानी होती है तो न्यूज नेक्स्ट इंडिया के मुद्रक, प्रकाशक या संपादक की कोई जवाबदेही नहीं होगी।

- प्रबंधक विज्ञापन

समाचार पत्र में छपे किसी भी लेख के लिए प्रधान संपादक उत्तरदायी नहीं है। प्रकाशित विभिन्न रचनाओं के लिए लेखक स्वयं उत्तरदायी है। समाचार पत्र में प्रकाशित सामिग्री / विज्ञापन आदि से प्रधान संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है। किसी भी प्रकार के विवाद की स्थिति में न्याय क्षेत्र सिर्फ आगरा होगा।

प्रेमी ने खून से भरी लड़की की मांग, हंगामा

एनएनआई

आगरा। एक शख्स ने फिल्मी स्टाइल में खून से लड़की की मांग भर दी। शुक्रवार रात हुई इस घटना का वीडियो भी सामने आ गया है। दरअसल, पिनाहट कस्बे में एक युवक जबरदस्ती युवती को घर में खींच ले गया। फिर उसने अपनी कलाई काटी और खून से उसकी मांग भर दी। शोर शराबा सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे। सवाल किए तो जवाब मिला- मेरी बीवी है। फिर पुलिस को सूचना दी गई। पुलिस ने युवक को गिरफ्तार कर लिया है।वीडियो में नशे में धुत युवक भीड़ के बीच खड़ा है। एक महिला उससे कहती है कि सुबह तुम्हारी शादी करा देंगे। युवक कहता है कि अभी कराओ। एक युवक पूछता है कि ये तुम्हारी कौन लगती है। युवक कहता है कि वो मेरी पत्नी है। आओ तुम्हारे सामने उसकी मांग भरूं। फिर वो लोगों को लेकर युवती के घर पर पहुंच जाता है।

वो जबरन युवती के घर में घुसता है और उसे हाथ पकड़कर बाहर

निकाल लाता है। तभी एक व्यक्ति आता है जो युवक को पीटने लगता है। युवती भी विरोध करती है। इसके बाद युवती के परिजन दोनों को धक्का देकर निकाल देते हैं। युवक इसके बाद भी नहीं मानता। वो खून से युवती की मांग भर देता है।

युवती को लेकर वहां से चला जाता है। इसके बाद युवती के परिजनों ने पुलिस में शिकायत की। पुलिस ने आरोपी युवक को पकड़ लिया है। बताया गया है कि युवक-युवती के बीच पहले से प्रेम संबंध हैं। दोनों पहले भी घर से जा चुके हैं।

डीसीपी सैयद अली अब्बास ने बताया कि पकड़े गए आरोपी का नाम जावेद है। वह कागारोल का रहने वाला है, युवती की मां की तहरीर पर आरोपी के खिलाफ अपहरण का मुकदमा दर्ज किया गया है। आरोपी को जेल भेज दिया गया है।

हर खबर पर पक्की नजर

मूल्यों और आदर्शों के कर्म पथ पर जनहित की आवाज

दैनिक हिन्दी समाचार पत्र

न्यूज नेक्स्ट इण्डिया

आगरा

www.nnindianews.com

शनिवार, 11 अक्टूबर, 2025

दिवाली से पहले खाने-पीने की चीजों की जांच

एफएसडीए ने कई प्रतिष्ठानों पर की जांच, लिए सैंपल

- 75 किलो सरसों का तेल और 5 किलो बर्फी की जब्त

एनएनआई

आगरा। दिवाली, भाईदूज जैसे त्योहारों को लेकर खाने-पीने की चीजों में मिलावट की जांच की जा रही है। एफएसडीए द्वारा लगातार कार्रवाई जारी है। शुक्रवार को खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग ने अपनी कार्रवाई जारी रखी और कई प्रतिष्ठानों पर छापा मारा। विभागीय टीमों ने आवास विकास कालोनी स्थित आरव तेल मिल से 75 किलो सरसों का तेल जब्त किया और शमशाबाद स्थित बांके बिहारी स्वीट्स की पांच किलो बर्फी को अस्वस्थकर पाते हुए नष्ट करा दिया। इसके अलावा फार्च्यून डिपो, रुनकता से राग वनस्पति, सरसों का तेल और रिफाइन्ड पामोलिन ऑयल के नमूने लिए गए। बाबू मिष्ठान भण्डार, किशोरपुरा, जगदीशपुरा से बर्फी, विकास स्टोर, राजा मंडी से मखाने, बूरा, बेसन, बोलेरो पिकअप से, इरादत नगर से खोया, लक्ष्मी मिष्ठान भण्डार, चाहर स्वीट्स से बर्फी, पेड़ा, जगदम्बा स्वीट्स, ककुआ से गुलाब जामुन, ठाकुर स्वीट्स, रोहता से पेड़ा और बर्फी के नमूने भरे गए। खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग द्वारा लगातार कार्यवाही जारी रहेगी।

विकसित भारत पर डीएम बंगारी के सुझावों को नेशनल लेवल पर चुना

एनएनआई

आगरा। जिलाधिकारी अरविंद मल्लप्पा बंगारी के सुझावों को भारत सरकार ने 'विकसित भारत 2047' अभियान के तहत राष्ट्रीय स्तर पर चुना है। देशभर से अफसरों के जो फीडबैक और सुझाव मंगाए गए थे, उनमें डीएम आगरा के विचारों को सर्वश्रेष्ठ सुझावों में शामिल किया गया है। अब इन्हें 'डिजिटल वॉल ऑफ फेम' में जगह दी जाएगी।

यह वॉल नवंबर 2025 में नई दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में होने जा रहे पांचवें नेशनल कॉन्फ्रेंस ऑफ चीफ सेक्रेट्रीज में प्रदर्शित की जाएगी। इस बार सम्मेलन का विषय है, 'ह्यूमन कैपिटल फॉर विकसित भारत'।

भारत सरकार ने 'विकसित भारत 2047 मिशन के अंतर्गत देश के सभी जिलों से अधिकारियों से फीडबैक नोट और सुझाव मांगे थे। इस पहल का मकसद था कि स्थानीय स्तर पर काम कर रहे प्रशासनिक अफसरों के अनुभव और समाधान देशभर के लिए अपनाए जा सकें।

आगरा के जिलाधिकारी द्वारा भेजे गए सुझावों को उनके व्यवहारिक और नवाचारी विचारों के कारण चयनित किया गया है। डीएम ने सुझाव दिया कि, डिजिटल टूल्स और एआई आधारित निगरानी प्रणाली लागू की जाए, स्मार्ट लर्निंग किट्स और बेहतर प्रशिक्षण मॉडल अपनाए जाएं, सेवाओं की गुणवत्ता और निगरानी दोनों में सुधार हो, स्थानीय स्तर की पहल उदाहरण बनें। डीएम ने आगरा में शुरू की गई 'बाल वाटिका' और

'लर्निंग लैब' जैसी योजनाओं का जिक्र किया, जिन्हें कम बजट में टिकाऊ और परिणाम देने वाला मॉडल बताया गया। भारत सरकार ने इन पहलों को भी देशभर में दोहराने योग्य माना है।यह उपलब्धि न सिर्फ आगरा, बल्कि पूरे उत्तर प्रदेश के लिए गर्व का विषय है। डीएम अरविंद मल्लप्पा बंगारी की सोच और कार्यशैली अब राष्ट्रीय मंच पर एक मॉडल के तौर पर सामने आई है।

आगरा मेट्रो ने तंबाकू उत्पादों के दुष्प्रभावों पर किया जागरूक

- कामगारों को स्वस्थ मानसिक स्वास्थ्य को लेकर दी अहम जानकारी

एनएनआई

आगरा। विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस के उपलक्ष्य पर उत्तर प्रदेश मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन एवं स्वास्थ्य विभाग द्वारा आगरा मेट्रो की कार्यदायी कंपनी एफकॉन्स के साथ मिलकर आगरा कॉलेज मेट्रो स्टेशन निर्माण स्थल पर मानसिक स्वास्थ्य जागरूकता शिविर एवं संगोष्ठी का आयोजन किया। इस दौरान निर्माण स्थल पर कार्यरत अधिकारियों एवं लेबर को मानसिक स्वास्थ्य की महत्वता के बारे में विस्तार से बताया गया। इस शिविर में मानसिक रूप से कैसे सशक्त रहना चाइए व इसके फायदे के बारे में भी जागरूक किया गया। इसके साथ ही जनपद के विभिन्न चिकित्सा इकाइयों में उपलब्ध मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं के बारे भी विस्तृत जानकारी दी गई। इसके साथ ही किसी भी मानसिक द्वंध्यकी अवस्था में चौबीसों घंटे क्रियाशील निःशुल्क एवं टोल फ्री मानसिक स्वास्थ्य हेल्प लाइन सेवा टेली मानस के बारे एवं उसके नंबर 14416 व 18008914416 को लेकर भी कामगारों एवं मेट्रोकर्मियों को जानकारी दी गई। इस शिविर में उपस्थित लोगी को 60 दिनों तक चलने वाले तंबाकू मुक्त युवा अभियान के तहत तंबाकू के दुष्प्रभावों एवं उस से बचाव के बारे में भी बताया गया।

एक दिन की डीएम बनी 8वीं की छात्रा गुलाल

- डीएम के साथ की जनसुनवाई, निभाया पद का दायित्व

एनएनआई

आगरा। मिशन शक्ति अभियान 5.0 के अंतर्गत प्राथमिक शिक्षा परिषद के श्यामा देवी कंपोजिट विद्यालय की छात्रा गुलाल को एक दिन के लिए जिलाधिकारी का दायित्व दिया गया। जिलाधिकारी अरविंद मल्लप्पा बंगारी ने छात्रा गुलाल का स्वागत किया तथा अपनी सीट प्रदान कर जिलाधिकारी का पदभार दिया। सर्वप्रथम जिलाधिकारी द्वारा जिलाधिकारी के पद, कर्तव्य, जिलाधिकारी को प्रदत्त अधिकार आदि के बारे में बताया गया।

गुलाल ने एक दिन के लिए कलेक्ट्रेट में जिलाधिकारी की भूमिका निभाई और जिलाधिकारी के

साथ बैठकर जनसुनवाई की।

इस दौरान डीएम बनी छात्रा ने प्रशासनिक जिम्मेदारियों को बखूबी निभाते हुए अपनी समझदारी और संवेदनशीलता से सबका दिल जीत लिया। गुलाल ने जन सुनवाई करते हुए प्राप्त आवेदन पर विचार किया, प्रथम आवेदन एक विद्यालय के बच्चों को फतेहपुर सीकरी भ्रमण कराए जाने हेतु पुरातत्व विभाग से अनुमति के संबंध में था, जिसे डीएम बनी छात्रा गुलाल द्वारा आवेदन को निस्तारित करते हुए,अधीक्षण पुरातत्व को नियमानुसार कार्यवाही करने हेतु आदेशित किया गया, दूसरी शिकायत मधुविहार फेस - 2,झूलेलाल कॉलोनी वासियों द्वारा कॉलोनी में अनाधिकृत तबेला चलाने से हो रही परेशानी से संबंधित थी जिस पर डीएम छात्रा द्वारा नगर निगम को मौके पर जाकर जांच कर निस्तारण के निर्देश दिए।

विभागों का भी किया निरीक्षण

डीएम बनी छात्रा गुलाल द्वारा एडीएम वित्त व राजस्व शुभांगी शुक्ला के साथ, जिलाधिकारी के न्यायालय, अपर जिलाधिकारी के कार्यालय व कोर्ट का निरीक्षण तथा कलेक्ट्रेट स्थित अन्य कार्यालयों का निरीक्षण किया तथा एडीएम वित्त व राजस्व द्वारा कलेक्ट्रेट स्थिति विभिन्न कार्यालयों, तथा प्रक्रिया की विस्तार से जानकारी दी गई। एक दिन की जिलाधिकारी गुलाल ने इस अवसर पर मीडिया के समक्ष महिलाओं और बालिकाओं के अधिकारों को लेकर भी सभी को जागरूक किया। उन्होंने कहा कि हर लड़की को अपने अधिकारों की जानकारी होनी चाहिए। उन्होंने छात्राओं को सलाह दी कि किसी भी परेशानी या अनुचित व्यवहार को माता-पिता, विशेषकर अपनी मां से साझा करने में हिचकिचाना नहीं चाहिए। सभी बेटियों को मेहनत से पढ़ाई करनी चाहिए उन्होंने स्वयं डीएम बनने, अधिकारी बनकर गरीबों की सेवा तथा शिक्षा क्षेत्र में कार्य करने की बात कही।

सीएम योगी का किया धन्यवाद

डीएम बनी छात्रा गुलाल ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को धन्यवाद देते हुए कहा कि मुख्यमंत्री जी द्वारा मिशन शक्ति- 5.0 के अभियान चलाया जा रहा है जिसमें मुझे एक दिन का डीएम बनने का मौका मिला है, मिशन शक्ति-अभियान में बेटियों की सुरक्षा, तथा बेटियों के प्रति समाज के दृष्टिकोण में परिवर्तन के लिए कार्य किया जा रहा है, गुलाल ने जिलाधिकारी को भी धन्यवाद दिया।

ब्रज की पहली स्लीप लैब मानसिक स्वास्थ्य संस्थान में हुई स्थापित

एनएनआई

आगरा। मानसिक स्वास्थ्य संस्थान एवं चिकित्सालय में विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस के अवसर पर ब्रज क्षेत्र की पहली स्लीप लैब की स्थापना की गई। निदेशक प्रो. दिनेश सिंह राठौर ने बताया कि कई बार व्यक्ति सात घंटे की नींद लेने के बावजूद भी अनिद्रा से जूझता है। नींद पूरी न होने से स्लीप सर्कल प्रभावित होता है और दिन में बार-बार नींद आने लगती है। संस्थान में आज पहले लेवल की वीडियो पॉलीसोमनोग्राफी मशीन स्थापित की गई है, जिसके माध्यम से नींद के दौरान शरीर की विभिन्न जैविक गतिविधियों को रिकॉर्ड किया जा सकेगा। साथ ही मरीज का वीडियो भी तैयार होगा, जिससे नींद के दौरान की गतिविधियों जैसे झटके, करवट बदलना या सांस रुकना का सटीक अवलोकन संभव होगा। साइकेट्रिक विभाग प्रमुख प्रो. अनिल कुमार सिसौदिया ने बताया कि स्लीप लैब में यह मशीन नींद संबंधी विकारों जैसे स्लीप एपनिया, अनिद्रा, नाकोर्लेप्सी, रेस्टलेस लेग सिंड्रोम आदि की पहचान और जांच के लिए उपयोगी

साबित होगी। इससे मरीज की पूरी रिपोर्ट और डायग्नोसिस तैयार की जा सकेगी तथा शरीर के हर स्तर पर जैसे हृदय गति और ऑक्सीजन स्तर की निरंतर निगरानी संभव होगी। चिकित्सा अधिकारी डॉ. मनीष जैन ने बताया कि बढ़ता स्क्रीन टाइम और अनियमित दिनचर्या नींद संबंधी समस्याओं के प्रमुख कारण बन रहे हैं। स्लीप लैब की स्थापना से छात्रों को शोध कार्य में भी मदद मिलेगी। कार्यक्रम का संचालन जूनियर रेजीडेंट डॉ. पार्थ बघेल ने किया। इस अवसर पर राजेश कुमार, डॉ. मधु शर्मा, डॉ. चंचल चन्द्रा, डॉ. बृजेश अग्रवाल, अतुल शर्मा, पवन सिंह, वीरेंद्र सिंह आदि उपस्थित रहे।

विश्वविद्यालय के फिल्म मेकिंग उद्योग में बढ़ते चरण

एनएनआई

आगरा। विश्वविद्यालय की कुलपति प्रोफेसर आशु रानी के मार्गदर्शन और निर्देशन में फिल्म मेकिंग विषय पर पर्यटन एवं होटल प्रबंधन संस्थान द्वारा एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। यह कार्यशाला संस्थान के निदेशक प्रोफेसर यू एन शुक्ला व ग्लैमर लाइफ फिल्म के निदेशक सूरज तिवारी के नेतृत्व में आयोजित की गई। इस कार्यशाला में संस्थान के पर्यटन एवं होटल प्रबंधन पाठ्यक्रमों की छात्र छात्राओं ने प्रतिभाग किया। कार्यशाला के आयोजन हेतु अमित कुमार साहू व विभा माथुर ने विद्यार्थियों को प्रेरित किया। इस कार्यशाला में संस्थान की शिक्षिका साक्षी तिवारी ने मॉडरेटर की भूमिका निभाते हुए कार्यशाला में उपस्थित मुख्य वक्ता व अतिथि सूरज तिवारी व उनकी टीम मेंबर राहत अली व संजीव का स्वागत एवं परिचय प्रस्तुत किया। संस्थान के निदेशक प्रोफेसर यू एन शुक्ला ने विद्यार्थियों के अंदर फिल्म मेकिंग से संबंधित छिपी हुई प्रतिभा को उकेरा तथा आपने बताया कि वर्तमान में संस्थान के विद्यार्थियों में अभिषेक, सौमित्र, जतिन परनानी, इसिता राजन, मानव अग्रवाल आदि संस्थान पर एक डॉक्यूमेंट्री फिल्म बना रहे हैं। विश्वविद्यालय के पर्यटन एवं होटल प्रबंधन संस्थान में फिल्म मेकिंग पर एक और अन्य बृहद कार्यशाला का आयोजन किया जाएगा। इस अवसर पर तिवारी जी ने अपने व्याख्यान में फिल्म मेकिंग में उपयोग में लाये जाने वाले तीन प्रिंसिपल कानफ्लिक्ट, एक्शन तथा रेजोल्यूशन पर प्रकाश डाला। आपने फिल्म मेकिंग की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि पर प्रकाश डालते हुए 'अराइवल आफ ट्रेन' फिल्म के मुख्य निर्देशक ल्यूमियर ब्रदर्स द्वारा किन-किन सावधानियों को बर्ता गया उस पर प्रकाश डाला। आपने बागवान, बाहुबली तथा दशरथ मांझी की फिल्म की सफलता के पीछे कलाकार, फिल्मकार, कहानीकार, म्यूजिक, साउंड डिस्प्ले आदि की गहराइयों को स्पष्ट करते हुए विद्यार्थियों को विभिन्न माध्यम से अच्छी फिल्म बनाने हेतु आवश्यक बिंदुओं पर मुख्यतः केंद्रित रहने को कहा। इस अवसर पर संस्थान के शिक्षक अमित साहू, अपर्णा, अंजलि व साक्षी ने विद्यार्थियों के साथ मिलकर फिल्म मेकिंग से संबंधित बारीकियों को न केवल श्रवण किया बल्कि उन्हें समझ कर विद्यार्थियों को इस फील्ड में उतरने के लिए आग्रह भी किया। इस कार्यक्रम में दीपक कुलश्रेष्ठ, कुलदीप यादव,नितिन, पवन, अलविना, कुलदीप दीक्षित व रजनी आदि का भी सहयोग रहा।

शिल्पगुरुओं ने किए अनुभव साझा, दिए सफलता के मंत्र

एनएनआई

आगरा। जॉन मिल्टन पब्लिक स्कूल, राजपुर में तीन दिवसीय वस्त्र मंत्रालय भारत सरकार द्वारा प्रायोजित प्रदर्शनी एवं कार्यशाला के तृतीय दिवस समापन अवसर पर स्टोन क्राफ्ट एवं लेदर क्राफ्ट से स्टेट अवार्ड प्राप्त शिल्पगुरुओं ने अपने अनुभव साझा किए और उपस्थित हस्तशिल्पियों को सफल होने के लिए सफलता के मंत्र दिए।

स्कूल के रमनलाल हीरो देवी ऑडिटोरियम में तीन दिन से चल रही हस्तशिल्प कार्यशाला एवं प्रदर्शनी के समापन अवसर पर हस्त शिल्प पर केंद्रित इस अनूठे आयोजन में कन्नौज के लैदर क्राफ्ट के स्टेट अवॉर्डी मुसिलिन, स्टोन क्राफ्ट से स्टेट अवॉर्डी रवि कुमार, मैनपुरी के तारकशी के स्टेट अवॉर्डी विकास कुमार, दिल्ली की नेशनल अवार्ड विनर शिल्प गुरु श्वेता कायस्था और मैनपुरी की स्टेट अवार्ड विनर शिल्प गुरु मेघा कश्यप व विकास वर्मा के साथ भिन्न भिन्न हस्तशिल्पी आगरा, मथुरा, हाथरस व आसपास से आए 20 हस्तशिल्पी अपने हुनर का लाइव प्रदर्शन किया।

इनमें कन्नौज के इत्र, कागज पर ड्राइंग करके देवी-देवताओं, फूल-पत्तियों और पशु-पक्षियों को उभारने वाली साँझी कला, शीशम की लकड़ी पर पीतल के तारों से खुदाई करके विभिन्न सुंदर आकृतियों को उभारने वाली तारकशी, हाथ थप्पा छपाई, टाई एंड डाई, मधुबनी पेंटिंग, गोंड आर्ट, स्टोन कार्विंग, घास की पत्तियों और फसल अवशेष को प्रयुक्त कर दैनिक उपयोग में आने वाली विभिन्न वस्तुओं को बनाने की कला, संगमरमर पर पच्चीकारी और जरी जरदोजी की कला प्रमुख रूप से शामिल है। इस अवसर पर हस्तशिल्प पर आधारित प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया। जिसमें लगभग 50 बच्चों ने प्रतिभाग किया जिसमें बच्चों को कंपनी द्वारा पुरस्कृत किया गया।

इस दौरान समाजसेवी अकबर अली ने हैंडीक्राफ्ट कारीगरों के हित में सरकार द्वारा संचालित योजनाओं की जानकारी दी। समन्वयक सुमित शर्मा, जॉन मिल्टन पब्लिक स्कूल ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस के चेयरमैन विनोद बंसल, डायरेक्टर मोहित बंसल, प्रिंसिपल ममता दुबे और सीनियर कोऑर्डिनेटर अंकिता लवानिया सचिन कुमार, शिखा गुप्ता, राजेंद्र प्रसाद, डॉ दिलीप पंड्या भी प्रमुख रूप से मौजूद रहीं। रीमा बैनर्जी ने संचालन किया।

कैसी है आपकी सेहत

घर-घर दस्तक देगी स्वास्थ्य विभाग की टीम, पूछेगी हाल

आज से 31 अक्टूबर तक चलेगा दस्तक अभियान

आगरा (एनएनआई)। जिले में संचारी रोगों की रोकथाम के लिए विशेष संचारी रोग नियंत्रण अभियान चलाया जा रहा है। इसमें आमजन को संचारी रोगों से बचाव के लिए जागरुक किया जा रहा है। इस अभियान के अंतर्गत स्वास्थ्य विभाग की टीम घर-घर जाकर आपके स्वास्थ्य का हाल पूछेगी और संचारी रोगों से बचाव के जानकारी भी देगी। इस दौरान हाथ धोने के बारे में भी जागरु किया जाएगा। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. अरुण श्रीवास्तव ने बताया कि 11 से 31 अक्टूबर तक चलने वाले दस्तक अभियान के दौरान फ्रंटलाइन वर्कर्स (आशा एवं आंगनवाड़ी कार्यकर्ता) घर-घर जाकर दस्तक देंगी। वह घर-घर जाकर पूछेंगी आपको बुखार, खांसी, किसी प्रकार की एलर्जी, कुष्ठ रोग, टीबी इत्यादि तो नहीं है। इसके साथ ही वह उन बच्चों का भी चिन्हांकन करेंगी जिनका वजन तय मानकों से कम है। ऐसे लक्षणयुक्त व्यक्तियों का नाम, पता और मोबाइल नंबर पूछकर ई-कवच पोर्टल पर अपलोड करेंगी। इससे इन मरीजों की जांच कर उनका उपचार किया जा सकेगा। जिला मलेरिया अधिकारी राजेश गुप्ता ने बताया कि इस अभियान के दौरान उन क्षेत्रों और मकानों की सूची भी बनाई जाएगी, जहां पर मच्छरों का प्रजनन अधिक पाया जाएगा। इन स्थानों की सूची बनाकर यहां पर मच्छर मारने की दवा का छिड़काव कराया जाएगा। इस दौरान घर-घर जाकर आशा और आंगनवाड़ी स्वास्थ्य जांच करेंगी साथ ही बुखार,खांसी,एलर्जी,कुष्ठ रोग,टीबी से संबंधित जानकारी प्राप्त प्राप्त करेगी।

इंटरस्कूल ग्रुप डांस प्रतियोगिताओं में छात्रों ने दिखाया हुनर

- अप्सा के तहत 19 स्कूलों ने लिया हिस्सा
- आगरा पब्लिक स्कूल में हुआ आयोजन

एनएनआई

आगरा। आगरा पब्लिक स्कूल अरतोनी में एसोसियेशन ऑफ प्रोग्रेसिव स्कूल (अप्सा) के तत्वाधान अन्तर स्कूल सामूहिक नृत्य प्रतियोगिता का भव्य आयोजन किया गया। इसमे आगरा के लगभग 19 स्कूलों ने हिस्सा लिया तथा अपनी नृत्य प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया। कार्यक्रम की शुरूआत मुख्य अतिथि महेशचंद शर्मा से दीप प्रज्जवलित करके की तथा विशष्ट अतिथि के रूप में अनिकेत शर्मा, गिरधर शर्मा, जीएस राणा, प्रधुमन चतुर्वेदी, ओशिन शर्मा, शिवांजल शर्मा, रशिक शर्मा, युवराज राणा, प्रांजल शर्मा, राजेंद्र सचदेवा, त्रिलोक सिंह राणा, रामानंद चौहान, संजय अग्रवाल आदि उपस्थित रहे। कार्यक्रम की श्रृंखला में सबसे पहले आगरा पब्लिक स्कूल के छात्रों द्वारा सरस्वती वंदना प्रस्तुत की गई। सभी स्कूलों की तरफ से विभिन्न सास्कृतिक व धार्मिक विषयों से जैसे भक्त प्रहलाद, सीता स्वयंवर, शिव तांडव, सीता हरण, रावण का अंहकार व शिव भक्ति पर बहुत आकर्षक व मनमोहन प्रस्तुतियाँ दी गई। कार्यक्रम का सफल संचालन श्री मती रिचा चौधरी व छात्र-छात्राओं ने किया। प्रतियोगिता में निर्णायक के रूप में निशान्त गौर एवम् टोनी फास्टर ने अपना सहयोग प्रदान किया। प्रतियोगिता में सेंट एंड्रयूज, हाथरस रोड ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। जबकी सेंट एंड्रयूज, कमला नगर ने दूसरा व सेंट एंड्रयूज, बरोली अहीर ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। जबकी सांत्वना पुरस्कार कर्नल ब्राइटलैण्ड एवम् सेन्ट एंड्रयूज, बल्केश्वर ने प्राप्त किया। कार्यक्रम के अन्त में स्कूल के प्रधानाचार्य श्री देवेन्द्र सिंह वर्मा ने धन्यवाद ज्ञापन में छात्रों के प्रदर्शन की सराहना की। कार्यक्रम को सफल बनाने में अमित चौधरी, अमित तिवारी, राहुल दीप, राम मोहन अग्रवाल, मोहित नंद आदि का विशेष सहयोग रहा।

एसएन में मनोचिकित्सा पर हुआ जागरूकता कार्यक्रम

एनएनआई

आगरा। एसएन मेडिकल कॉलेज के मनोचिकित्सा विभाग द्वारा विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस पर एक विशेष जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस वर्ष की थीम आपातकालों और आपदाओं में मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुंच रहा, जिसने संकट और विपरीत परिस्थितियों में मानसिक स्वास्थ्य सहायता की महत्ता को रेखांकित किया। मेडिकल कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. प्रशांत गुप्ता ने कहा कि मानसिक स्वास्थ्य, शारीरिक स्वास्थ्य जितना ही महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा, मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाना आज समय की मांग है, खासकर तब जब हम तनाव से घिरे समाज में जी रहे हैं। इस तरह के आयोजनों से समाज में व्याप्त कलंक को मिटाने और लोगों को समय पर सही उपचार लेने के लिए प्रोत्साहित करने में मदद मिलती है। हम सभी को मानसिक स्वास्थ्य को प्राथमिकता देनी चाहिए। इस अवसर मनोचिकित्सा विभागाध्यक्ष डॉ. विशाल सिन्हा तथा एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. अशुतोष कुमार ने कार्यक्रम का शुभारंभ करते हुए मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता के महत्व पर प्रकाश डाला। डॉ. विशाल सिन्हा ने उपस्थित मरीजों, उनके परिजनों एवं अन्य आगंतुकों को विस्तारपूर्वक संबोधित किया। उन्होंने बाइपोलर डिसऑर्डर, सिजोफ्रेनिया, ओसीडी, अवसाद, चिंता विकार, तनाव, पोस्ट-ट्रॉमेटिक तनाव विकार और मिजाज विकारों जैसे विभिन्न मानसिक रोगों की पहचान, उनके लक्षण और जोखिम कारकों के बारे में जानकारी दी। जागरूकता बढ़ाने के लिए, मानसिक रोगों के लक्षण, चेतावनी संकेत और सहायता लेने के तरीकों की जानकारी वाले पैम्फलेट भी ओपीडी आने वाले मरीजों और उनके परिजनों को वितरित किए गए।

कार्यक्रम के सफल संचालन में विभाग के जूनियर रेजिडेंट डॉ. नीयति, डॉ. अंकुर, डॉ. राहुल, डॉ. प्रियांका, डॉ. निधि, डॉ. विशाखा, डॉ. खियाराम, डॉ. नगमा और डॉ. सूरज ने सक्रिय भूमिका निभाई। उन्होंने कार्यक्रम की व्यवस्था, प्रश्नोत्तर सत्र और जागरूकता सामग्री के वितरण में महत्वपूर्ण योगदान दिया।

पुण्यतिथि पर सपाइयों ने याद किए नेता जी

2027 में सरकार बनाने का लिया संकल्प

एनएनआई

आगरा। समाजवादी पार्टी जिला कार्यालय, फतेहाबाद रोड पर नेताजी स्व. मुलायम सिंह यादव की पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता जिलाध्यक्ष श्रीकृष्ण वर्मा एवं महानगर अध्यक्ष चौधरी वाजिद निसार ने की। सभी वरिष्ठ नेताओं एवं कार्यकताओं ने नेताजी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। जिलाध्यक्ष श्रीकृष्ण वर्मा ने माल्यार्पण करते हुए कहा कि नेताजी किसानों, गरीबों, मजदूरों और असहायों के लिए भगवान स्वरूप थे।

महानगर अध्यक्ष चौधरी वाजिद निसार ने कहा कि मुलायम सिंह यादव जी भारतीय राजनीति के एक युगपुरुष, सच्चे समाजवादी और समाजवादी पार्टी के संस्थापक थे। उन्होंने छह दशकों से अधिक समय तक सक्रिय राजनीति में रहते हुए तीन बार उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री और एक बार भारत सरकार में रक्षा मंत्री के रूप में देश की सेवा की।

जिला मीडिया प्रभारी पवन प्रजापति ने माल्यार्पण कर कहा कि नेताजी को कहा सच्ची श्रद्धांजलि तभी होगी जब हम सभी यह संकल्प लें कि 2027 में समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव को पुनः उत्तर प्रदेश का मुख्यमंत्री बनाना है। कार्यक्रम का संचालन जिला महासचिव सुरेंद्र चौधरी ने किया। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से राम सहाय यादव, वीरेंद्र सिंह चौहान, आजाद सिंह जाटव, नितिन कोहली, पवन प्रजापति,श्याम भोजवानी,संतोष पाल,पप्पू यादव, विनय अग्रवाल, हरिमोहन राजपूत लोधी,उदल सिंह कुशवाह, महेश सिसोदिया, राहुल चौधरी, कादिर कुरैशी,अमित कुशवाह,कालीचरण प्रजापति,परवेज खान, मानवेन्द्र सिंह असलम वारसी, आदित्य गौतम,अतुल सविता, विराट यादव, गुड्डी भारती, रमेश यादव सहित अनेक समाजवादी साथी उपस्थित रहे।

नेताजी मुलायम सिंह यादव की पुण्यतिथि पर किया हवन, बांटे फल और भोजन

एनएनआई

आगरा। नेताजी मुलायम सिंह यादव की पुण्यतिथि के अवसर पर समाजवादी पार्टी के नेताओं एवं कार्यकताओं ने बलकेश्वर स्थित वाल्मीकि वाटिका में हवन किया और जरूरतमंदों को फल व भोजन पैकेट वितरित किए। कार्यक्रम में सभी कार्यकताओं ने संकल्प लिया कि वर्ष 2027 में समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश में समाजवादी सरकार बनाने के लिए एकजुट होकर कार्य करेंगे। सपा नेता सचिन चतुर्वेदी ने कहा कि नेताजी को सच्ची श्रद्धांजलि तभी होगी जब समाजवादी पार्टी पुनः सत्ता में आएगी और गरीब, किसान, नौजवान एवं कमजोर वर्गों के अधिकारों की रक्षा कर सकेगी।नेताओं ने नेताजी के संघर्षपूर्ण जीवन को याद करते हुए कहा कि रक्षा मंत्री रहते हुए उन्होंने शहीद सैनिकों के पार्थिव शरीर को पूरे सम्मान के साथ घर पहुँचाने का निर्णय लेकर इतिहास रचा था। इसके अलावा उन्होंने किसानों पर लगने वाले चुंगी कर (टैक्स) को

समाप्त कर उन्हें राहत दी थी। कार्यक्रम में रामसहाय यादव, सचिन चतुर्वेदी, प्रिंस रईसुद्दीन, ममता टपलु, पवन प्रजापति, मधुकर अरोरा, महेश सिसोदिया, वीरेंद्र चौहान, कुलदीप बाल्मीकि, आमिर मिर्जा, अमित कुशवाहा, मानवेंद्र सिंह सहित कई सपा कार्यकर्ता मौजूद रहे।

केपीआईएमएस में डीडीए तकनीक से हुआ कूल्हा प्रत्यारोपण

एनएनआई

आगरा। के पी सुपर स्पेशलिटी हॉस्पीटल में कूल्हा प्रत्यारोपण की नवीनतम विधि डीडीए (डायरेक्टर अंतरियर अप्रोच) से डा. अरूण गुप्ता एवं उनकी टीम द्वारा सफल ऑपरेशन किया गया।

उनकी टीम में डा. शिवा कुमार (हैदराबाद), डा उपेंद्र एवं बेल्जियम से आए डा फ्रस वेदुपट्टे उपस्थित रहे। डा. अरुण गुप्ता ने बताया कि पुरानी पोस्टीरियर अप्रोच से पैर के छोटा बड़ा होने एवं कूल्हे के बार-बार उतर जाने का खतरा बना रहता है, इस नई तकनीक से कूल्हा प्रत्यारोपण में किसी मांसपेशियो को नहीं काटा जाता है अतः ऑपरेशन के बाद दर्द भी काफी कम होता है।

डीडीए (डायरेक्ट अंतरियर अप्रोच), कूल्हा प्रत्यारोपण शल्य में बहुत तेजी से लोकप्रिय होती जा रही है। आगरा में लगभग 90 से 110 कूल्हों का प्रत्यारोपण प्रति माह होता है। कूल्हा प्रत्यारोपण मुख्यतः कूल्हे के जोड के रक्त संचार के कम हो जाने से होने वाली समस्याओं में करना पडता है जो कि चोट लगने से अथवा अत्यधिक मदिरापान, या बिना डाक्टर की सलाह के स्टीरोयड लेने के कारण होता है।

ध्यान रहे कि यही स्टीरॉयड कई नौजवान बॉडी बिल्डिंग में भी ले कर अपनी सेहत से खिलवाड करते है। डा अरूण गुप्ता द्वारा इस तकनीक से इलाज की सुविधा केपीआईएमएस हॉस्पीटल में 24 घंटे उपलब्ध है।

मन की उड़ान ने लगाई लाइफ स्टाइल प्रदर्शनी 'रौशनी'

आगरा एनएनआई। मन की उड़ान फाउंडेशन द्वारा आयोजित फैशन एवं लाइफस्टाइल प्रदर्शनी रौशनी 9वां संस्करण का भव्य आयोजन लेमन ट्री होटल में सम्पन्न हुआ। यह प्रदर्शनी महिला सशक्तिकरण और उद्यमिता को समर्पित रही, जिसमें करवा चौथ, दिवाली और वेडिंग सीजन से जुड़े फैशन, ज्वेलरी, हैंडक्राफ्ट, होम डेकोर और लाइफस्टाइल उत्पादों का आकर्षक प्रदर्शन किया गया।

मुख्य अतिथि सामाजिक कार्यकर्ता डा. बीना लवानिया रहीं। इनके अलावा विशिष्ट अतिथि में भाजपा महानगर उपाध्यक्ष इंजीनियर नीरज गुप्ता, विकास चतुर्वेदी, वरुण मित्तल, मयंक अग्रवाल, शादाब अहमद, डा. प्रियंका मलिक सचदेवा, डा. राहुल राज कुलश्रेष्ठ, डा. सचिन मल्होत्रा, स्वप्निल कुलश्रेष्ठ एवं कृति कुलश्रेष्ठ,अनुराग बंसल, सोनाली सेंगर, नीति जुनेजा, रेनू लाम्बा रहे। कार्यक्रम का संचालन एडवोकेट चंचल गुप्ता ने किया। उन्होंने बताया कि रौशनी का उद्देश्य महिलाओं को स्वावलंबन की दिशा में प्रेरित करना और उनके हुनर को एक सशक्त मंच प्रदान करना है। नीरा थापर (कोषाध्यक्ष), अंकिता जैन, अनुपम, कविता राजवानी, प्रिंसी जैन, एडवोकेट ऋतिक, पवन सिसोदिया, गोविंद वर्मा, आध्या, हेमा शर्मा सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

विवि में मानसिक स्वास्थ्य पर हुआ जागरूकता सेमिनार

एनएनआई

आगरा। विवि के सामुदायिक रेडियो 90.4 आगरा की आवाज द्वारा कुलपति प्रो. आशु रानी के मार्गदर्शन में विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस के अवसर पर एक मानसिक स्वास्थ्य जागरूकता सेमिनार का आयोजन किया।

कार्यक्रम में मानसिक स्वास्थ्य के महत्व, तनाव प्रबंधन, और आपदा या आपातकालीन परिस्थितियों में मानसिक स्वास्थ्य की देखभाल जैसे विषयों पर गहन चर्चा की गई।

सेमिनार में उपस्थित विशेषज्ञों ने मानसिक स्वास्थ्य को शारीरिक स्वास्थ्य जितना ही महत्वपूर्ण बताया और इसे सामाजिक स्तर पर सामान्यीकृत करने की आवश्यकता पर बल दिया। सेमिनार में मुख्य वक्ता के रूप में डॉ. पीयूष जैन ने मानसिक स्वास्थ्य के विभिन्न आयामों पर प्रकाश डाला। उन्होंने तनाव, चिंता, और अवसाद जैसे मुद्दों के प्रबंधन के लिए व्यावहारिक उपाय सुझाए, विशेष रूप से युवाओं और छात्रों के संदर्भ में। रेडियो कार्यक्रम अधिशासी पूजा सक्सेना ने रेडियो वॉलिंटियर्स को प्रेरित करते हुए कहा कि वे इस मंच का उपयोग मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता फैलाने के लिए करें और समाज में सकारात्मक बदलाव लाएं। एन.पी.-एन.पी.डी. कार्यक्रम के तहत स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. सुनीता भगिया और मेन्टल हॉस्पिटल आगरा से क्लिनिकल साइकोलॉजिस्ट डॉ संजय, दोनों ही अनुभवी चिकित्सक, ने भी वक्ता के रूप में भाग लिया। कार्यक्रम का सफल संचालन इंजीनियर तरुण श्रीवास्तव ने कुशलतापूर्वक किया।

डीएपी खाद को लेकर उमड़ी किसानों की भीड़

एनएनआई

पिनाहट। ब्लॉक क्षेत्र में डीएपी खाद की किल्लत के बीच शुक्रवार को किसानों में राहत की सांस देखने को मिली, जब कस्बा पिनाहट के चचिहा समिति पर नायब तहसीलदार दयाचंद पौरुष के नेतृत्व में डीएपी खाद का वितरण किया गया। समिति पर कुल 500 कट्टे डीएपी खाद किसानों में बांटे गए। सुबह से ही किसानों की लंबी कतारें समिति परिसर में देखने को मिलीं। भीड़ को नियंत्रित करने और व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस प्रशासन भी मौके पर मौजूद रहा।

गौरतलब है कि इन दिनों क्षेत्र में डीएपी खाद की भारी कमी चल रही है। किसान कई दिनों से खाद के लिए समितियों और बाजारों के चक्कर काट रहे हैं, लेकिन उन्हें निराशा ही हाथ लग रही थी। ऐसे में शुक्रवार को हुए वितरण से किसानों में उत्साह का माहौल देखा गया। प्रशासन ने आश्वासन दिया है कि आने वाले दिनों में और खाद की खेप आने पर सभी किसानों को पर्याप्त मात्रा में खाद उपलब्ध कराई जाएगी।

नाबालिग बेटी को भगा ले गया युवक

पिनाहट पुलिस ने 24 घंटे में गिरफ्तार कर जेल भेजा

पिनाहट एनएनआई। कस्बा पिनाहट के मोहल्ला पूरनपुरा निवासी रेखा पत्नी अरविन्द कुमार ने थाना पिनाहट में तहरीर देकर गंभीर आरोप लगाया है कि दिनांक 9 अक्टूबर 2025 की शाम करीब 9:30 बजे के आसपास उसकी नाबालिग बेटी जिसकी उम्र लगभग 17 वर्ष 6 माह है, को जावेद पुत्र शहजाद निवासी कागारोल, थाना कागारोल, जनपद आगरा बहला-फुसलाकर अपने साथ भगा ले गया। मां रेखा ने बताया कि उसकी बेटी घर के बाहर किसी काम से निकली थी, तभी मौका पाकर आरोपी उसे अपने साथ ले गया। परिजनों ने आसपास और रिश्तेदारी में काफी तलाश की, लेकिन कोई सुराग नहीं मिला। इसके बाद उन्होंने थाने पहुंचकर आरोपी के खिलाफ तहरीर दी। पीड़िता ने पुलिस प्रशासन से आरोपी जावेद के विरुद्ध सख्त कानूनी कार्रवाई करते हुए उसकी नाबालिग बेटी को सकुशल बरामद करने की मांग की है। थाना प्रभारी पिनाहट मनोज कुमार ने बताया कि मुकदमा दर्ज किया गया है और आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है।

करवा चौथ पर ब्रह्मलाल महाराज संग पार्वती का हुआ अनूठा श्रंगार

बाह एनएनआई। करवाचौथ पर शुक्रवार की रात बटेश्वर के ब्रह्मलाल महाराज का अनूठा श्रंगार हुआ। मंदिर के पुजारी जय प्रकाश गोस्वामी ने बताया कि ब्रह्मलाल महाराज के साथ माता पार्वती का श्रंगार किया गया। श्रंगार पूजा सुहागिनों को समर्पित रही। भगवान भोलेनाथ और माता पार्वती से करवा चौथ का निर्जल व्रत रखने वाली महिलाओं के सुहाग के सलामती के साथ उनके परिवार की सुख समृद्धि की कामना की गई। आस पास के क्षेत्र के गांवों में करवा चौथ का व्रत रखने वाली महिलाएं शिव पार्वती की अनूठी श्रंगार पूजा के दर्शन को पहुंची। श्रंगार पूजा के बाद प्रसाद का भी वितरण किया गया।

बाइक और ट्रैक्टर की भिड़ंत, 15 वर्षीय किशोर की मौत

अछनेरा एनएनआई। थाना क्षेत्र के अंतर्गत दक्षिणी बाईपास स्थित गांव मगुर्रा कट के पास गुरुवार दोपहर करीब 1:30 बजे बाइक और ट्रैक्टर में भिड़ंत हो गई। हादसे की सूचना पर डायल 112 पुलिस भी पहुंची गयी। पुलिस ने घायलों को एंबुलेंस की मदद से एस.एन. हॉस्पिटल आगरा भिजवाया। इलाज के दौरान घायल आशीष (15) पुत्र शिव सिंह निवासी जिथोरा, थाना किरावली की मृत्यु हो गई। पुलिस ने आवश्यक कार्यवाही करते हुए घटना की जानकारी परिजनों को दी। हादसे के बाद परिजनों में कोहराम मच गया।

फतेहाबाद स्टेशन पर रेलवे ने किया 'अमृत संवाद'

एनएनआई

आगरा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के पंच-प्राण सिद्धांतों और रेल मंत्रालय के विशेष अभियान 5.0 के अंतर्गत मंडल रेल प्रबंधक आगरा गगन गोयल के निर्देशन में आगरा मंडल के फतेहाबाद स्टेशन पर अमृत संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम स्टेशन के पुनर्विकास कार्यों की समीक्षा, यात्री सुविधाओं में सुधार तथा नागरिकों से सुझाव प्राप्त करने के उद्देश्य से आयोजित किया गया।

इस अवसर पर वरिष्ठ मंडल यांत्रिक इंजीनियर विक्रम कोली ने यात्रियों एवं स्थानीय नागरिकों से सीधा संवाद किया। उन्होंने रेल प्रशासन द्वारा स्टेशन पर यात्रियों की सुविधा के लिए किए गए विभिन्न कार्यों की जानकारी दी। श्री विक्रम कोली ने बताया कि फतेहाबाद स्टेशन को अमृत स्टेशन योजना के अंतर्गत आधुनिक रूप में विकसित किया गया है, जहाँ उन्नत प्रतीक्षालय, स्वच्छ शौचालय, नवनिर्मित प्लेटफार्म शेड, आकर्षक सौंदर्यीकरण, ऊर्जा-संवर्धित प्रकाश व्यवस्था तथा ह्यएक स्टेशन एक उत्पादह्व स्टॉल जैसी आधुनिक सुविधाएँ यात्रियों के लिए उपलब्ध कराई गई हैं। यात्रियों और नागरिकों ने स्टेशन एवं ट्रेनों की स्वच्छता, रखरखाव और यात्री सुविधाओं के निरंतर सुधार के संबंध में अपने विचार साझा किए। इसके साथ ही देश को वर्ष 2047 तक विकसित राष्ट्र बनाने के लक्ष्य, राष्ट्रीय एकता एवं अखंडता बनाए रखने तथा प्रत्येक नागरिक द्वारा अपने कर्तव्यों का निष्ठा और ईमानदारी से पालन करने के महत्व पर भी विचार-विमर्श किया गया।

जमीनी रंजिश में युवक पर हमला

आगरा एनएनआई। ट्रांस यमुना थाना क्षेत्र में जमीनी विवाद के चलते एक युवक पर जानलेवा हमला कर दिया गया। आरोप है कि हमलावरों ने घर में घुसकर युवक को जमीन पर गिराया और बेसबॉल व डंडों से बुरी तरह पीटा, जिससे उसके दोनों पैरों की हड्डियां टूट गईं। पीड़ित देवेन्द्र डेनी पुत्र जसवंत सिंह निवासी इंदिरा नगर ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि घटना गुरुवार रात करीब 9:45 बजे चार-पांच लोग मुंह पर कपड़ा बांधकर उसके घर में घुसे और हमला कर दिया। देवेन्द्र ने आरोप लगाया कि यह हमला उसके पड़ोसी जीतू पुत्र बसंत लाल और लाला पुत्र बसंत लाल ने करवाया है।

वेतन न मिलने पर श्रमिकों में आक्रोश

एनएनआई

आगरा। जिला महिला चिकित्सालय आगरा के आउटसोर्सिंग कर्मचारियों को दो माह से वेतन न मिलने के कारण श्रमिकों में आक्रोश चरम सीमा पर पहुंच गया। श्रमिकों का कहना था कि त्योहार सिर पर आ गया ,दो माह से वेतन नहीं मिला हम त्योहार कैसे मनायेंगे जटिल चिन्ता सता रही है। लेडी लाइल के श्रमिक नेता बन्ने खां की पहल पर जिला ट्रेड यूनियन काउंसलिंग आगरा के जिला अध्यक्ष लक्ष्मी नारायण शर्मा एवं श्रमिक नेता पंडित सत्यनारायण शर्मा यू पी रोडवेज इम्प्लॉइज यूनियन व राकेश कुमार राजपूत जिलाअध्यक्ष अखिल भारतीय असंगठित कर्मचारी मजदूर यूनियन आगरा अपने शिष्ट मंडल सहित मौके पर पहुंचे और आक्रोशित मजदूरों को शान्त किया। सम्बन्धित अधिकारी डा. अर्चना गुप्ता प्रमुख चिकित्सा अधिक्षिका जिला महिला चिकित्सालय से वार्ता कर तत्काल समाधान कराया गया। श्रमिकों को तत्काल वेतन भुगतान दिलाया गया।

सड़कों पर रखे कबाड़ वाहनों को किया जब्त

एनएनआई

आगरा। नगर निगम प्रशासन ने शुक्रवार को ट्रांसपोर्ट नगर स्थित गुरुद्वारा के सामने बड़ी कार्रवाई करते हुए सड़कों और फुटपाथों पर रखे गए कबाड़ वाहनों और गाड़ियों के केबिन जब्त कर लिए। इस कार्रवाई से इलाके में हड़कंप मच गया। दुकानदारों ने आनन-फानन में अपना सामान समेटना शुरू कर दिया।ट्रांसपोर्ट नगर क्षेत्र में लंबे समय से दुकानदारों द्वारा सड़कों और फुटपाथों पर पुराने वाहन, केबिन और कबाड़ रखे जाने से आमजन को आवागमन में दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा था। इसको लेकर नागरिक हिमांशु सिंह द्वारा नगर निगम प्रशासन को आईजीआरएस पोर्टल के माध्यम से शिकायत दर्ज कराई गई थी। शिकायत पर संज्ञान लेते हुए नगर निगम के प्रवर्तन दस्ते ने मौके पर पहुंचकर कार्रवाई की। टीम ने सड़क और फुटपाथों से कबाड़ हटवाया और कई पुराने वाहन व केबिन जब्त कर लिए। अधिकारियों का कहना है कि सार्वजनिक स्थलों पर अवैध रूप से कब्जा या सामान रखने वालों के खिलाफ अभियान जारी रहेगा। प्रशासन ने चेतावनी दी है कि दोबारा ऐसी स्थिति मिलने पर संबंधित दुकानदारों के विरुद्ध चालान और कानूनी कार्रवाई भी की जाएगी। कार्रवाई के बाद मार्ग पूरी तरह से साफ हो गया और आवागमन सामान्य रूप से शुरू हो गया।

संपादकीय

भाजपा की ओबीसी राजनीति

हिंदू धर्म से जुड़े सबसे बड़े मुद्दे यानी अ?ोध्या में राममंदिर निर्माण का काम पूरा होने के बाद भाजपा को लग रहा है कि अब उस राजनीति से बहुत कुछ नहीं होना है। अब जो होगा वह जाति की राजनीति साधने से होगा। इसलिए देश भर में ओबीसी की राजनीति शुरू हो गई है। सो भारतीय जनता पार्टी लगभग पूरी तरह से पिछड़ा राजनीति की ओर मुड़ गई है।उसमें भी भाजपा को लग रहा है कि अकेले नरेंद्र मोदी के नाम पर काम नहीं होगा। तभी उसने एक एक करके राज्यों में ओबीसी चेहरे आगे करने शुरू किए हैं। लेकिन भाजपा की इस ओबीसी राजनीति का सबसे बड़ा संकेत मध्य प्रदेश में ओबीसी आरक्षण बढ़ाने का फैसला है। भाजपा की मोहन यादव सरकार ने ओबीसी आरक्षण 14 से बढ़ा कर 27 फीसदी करने का फैसला किया है और इस फैसले का सुप्रीम कोर्ट में बचाव किया है। एक बार यह फैसला होने के बाद देश के दूसरे राज्यों में भी ओबीसी आरक्षण बढ़ाना मजबूरी हो जाएगी। इसके बाद भाजपा की सरकार क्या करेगी?भाजपा ने दो राज्यों में संगठन की कमान बदली है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के गृह प्रदेश गुजरात में प्रदेश अध्यक्ष बदला गया। सीआर पाटिल की जगह जगदीश विश्वकर्मा को अध्यक्ष बनाया गया है। इससे पहले पांच साल तक सीआर पाटिल अध्यक्ष रहे। वे एक साल से ज्यादा समय से तो केंद्रीय मंत्री हैं और दोहरी जिम्मेदारी निभा रहे थे। बताया जा रहा है कि पार्टी के अंदर अध्यक्ष को लेकर सहमति नहीं बन रही थी इसलिए पाटिल चल रहे थे। नए अध्यक्ष जगदीश विश्वकर्मा को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह का करीबी माना जा रहा है। अब तक भाजपा पाटीदार समुदाय से अध्यक्ष बनाती थी या सवर्ण अध्यक्ष होते थे। सीआर पाटिल भी मराठा हैं। कांशीराम राणा के बाद पहली बार भाजपा ने ओबीसी अध्यक्ष बनाया है। कांग्रेस ने अमित चावड़ा को जिम्मेदारी दी है और वे भी पिछड़ी जाति से आते हैं। सो, भाजपा प्रधानमंत्री के राज्य में भी पिछड़ा राजनीति से मुकाबले में उलझी है। बिहार में तो पूरी लीडरशिप ही पिछड़ी जाति की है। सम्राट चौधरी उप मुख्यमंत्री हैं और दिलीप जायसवाल प्रदेश अध्यक्ष हैं। दूसरे उप मुख्यमंत्री विजय सिन्हा जरूर अगड़ी जाति के हैं लेकिन उनकी कोई पूछ नहीं है। इसके बाद भाजपा ने पिछड़ी जाति से आने वाले विनोद तावड़े को प्रभारी बनाया है। चुनाव प्रभारी के तौर पर धर्मेंद्र प्रधान को नियुक्त किया गया है और वे भी पिछड़ी जाति के हैं। उनके साथ उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य सह प्रभारी हैं और वे भी पिछड़ी जाति के हैं। दूसरे सह प्रभारी सीआर पाटिल मराठा हैं। सो, बिहार का पूरा चुनाव पिछड़ी जाति के नैरेटिव पर होना है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और उप मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ही चुनाव का चेहरा हैं। तेजस्वी यादव के मुकाबले भाजपा और जदयू गैर यादव पिछड़ा चेहरा आगे करके चुनाव लड़ेगी।इसी तरह झारखंड में रविंद्र राय की जगह भाजपा ने आदित्य साहू को पार्टी का कार्यकारी अध्यक्ष बनाया है। ध्यान रहे रविंद्र राय अगड़ी जाति से आते हैं। उनको विधानसभा चुनाव के बीच कार्यकारी अध्यक्ष बनाया गया था। लेकिन अब हटा गिया है। बाबूलाल मरांडी अभी अध्यक्ष हैं और साथ ही विधायक दल के नेता भी हैं। उनकी जगह नए अध्यक्ष का चुनाव होना है। लेकिन भाजपा ने आदिवासी और पिछड़ा का समीकरण बनाया है। इसका क्या फायदा उसे होगा यह नहीं कहा जा सकता है लेकिन उसने इरादा जाहिर कर दिया है।उत्तर प्रदेश के अध्यक्ष को लेकर अटकलें चल रही हैं। मौजूदा अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी जाट समाज से हैं और उनका कार्यकाल पूरा हो गया है। सवाल है कि क्या भाजपा वहां भी पिछड़ी जाति का अध्यक्ष बनाएगी? यह सवाल इसलिए है क्योंकि अगड़ी जाति के योगी आदित्यनाथ मुख्यमंत्री हैं। इसलिए सवर्ण अध्यक्ष नियुक्त करना मुश्किल है। कम से कम ऑप्टिक्स के लिहाज से तो यह ठीक नहीं होगा। अगड़ा अध्यक्ष नियुक्त करने का फैसला तभी होगा, जब मुख्यमंत्री बदलेगा, जिसकी संभावना अभी तुरंत नहीं दिख रही है। जानकार सूत्रों का कहना है कि चार नेताओं के नामों पर चर्चा हुई है। इनमें ब्राह्मण भी हैं और पिछड़े भी हैं। फैसला कब तक होगा यह कोई नहीं बता रहा है। इसी तरह उत्तर प्रदेश में मंत्रिमंडल का विस्तार भी अटका हुआ है। इस बारे में कई बार योगी आदित्यनाथ दिल्ली आकर प्रधानमंत्री और केंद्रीय गृह मंत्री से मिल चुके हैं लेकिन न मंत्रिमंडल में फेरबदल का फैसला हो पा रहा है और न नए प्रदेश अध्यक्ष की नियुक्ति हो रही है। ध्यान रहे डेढ़ साल के बाद उत्तर प्रदेश में विधानसभा चुनाव होने वाले हैं।राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा भी पिछले करीब ढाई साल से सेवा विस्तार पर काम कर रहे हैं और अब कहा जा रहा है कि अगले साल मकर संक्रांति के बाद यानी 14 जनवरी के बाद नए अध्यक्ष का चुनाव होगा।

वेनेजुएला की विपक्षी नेता मारिया मचाडो को शांति का नोबेल पुरस्कार मिला है। उन्होंने वेनेजुएला में लोकतांत्रिक अधिकारों को बढ़ावा देने और तानाशाही से लोकतंत्र की ओर शांतिपूर्ण बदलाव लाने के लिए 20 साल लगातार संघर्ष किया है। नोबेल समिति ने कहा कि आज जब दुनिया के कई हिस्सों में तानाशाही बढ़ रही है और लोकतंत्र कमजोर हो रहा है, ऐसे समय में मारिया मचाडो जैसे लोगों की हिम्मत उम्मीद जगाती है। समिति ने कहा- लोकतंत्र ही स्थायी शांति की शर्त है। जब सत्ता हिंसा और डर के जरिए जनता को दबाने लगती है, तो ऐसे साहसी लोगों को सम्मान देना जरूरी हो जाता है।

नोबेल शांति पुरस्कार विजेता

मारिया मचाडो

20 साल से लोकतंत्र के लिए लड़ रहीं

नॉर्वेजियन नोबेल समिति ने वेनेजुएला की विपक्षी नेता मारिया कोरिना माचाडो को 2025 का नोबेल शांति पुरस्कार दिया है। उन्हें लोकतांत्रिक अधिकारों को बढ़ावा देने में उनके अथक प्रयास और तानाशाही से लोकतंत्र में शांतिपूर्ण संक्रमण के लिए उनके संघर्ष के लिए यह पुरस्कार मिला है।

समिति ने अपनी घोषणा करते हुए कहा, "2025 का नोबेल शांति पुरस्कार शांति की एक साहसी और प्रतिबद्ध समर्थक को दिया जाता है, एक ऐसी महिला जो बढ़ते अंधकार के बीच लोकतंत्र की लौ जलाए रखती है।" इस घोषणा से पहले, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के इस पुरस्कार को जीतने की अटकलें लगाई जा रही थीं।

लोकतंत्र समर्थक आंदोलन की हस्ती

वेनेजुएला के लोकतंत्र समर्थक आंदोलन की एक हस्ती मचाडो, लैटिन अमेरिका में नागरिक साहस की एक सशक्त प्रतीक हैं। दशकों से उन्होंने निकोलस मादुरो के दमनकारी शासन का विरोध किया है, धमकियों, गिरफ्तारियों और राजनीतिक उत्पीड़न को सहन किया है। लगातार खतरे में रहने के बावजूद, वह वेनेजुएला में ही रहीं और शांतिपूर्ण प्रतिरोध और स्वतंत्र चुनावों पर अपने आग्रह के माध्यम से लाखों लोगों को प्रेरित किया। नोबेल समिति ने उन्हें एक समय में खंडित विपक्ष में एक एकीकृत शक्ति के रूप में वर्णित किया, जिनके नेतृत्व ने राजनीतिक विभाजनों के पार स्वयंसेवकों को संगठित करने में मदद की।

वेनेजुएला के चुनाव में निभाई अहम भूमिका

वेनेजुएला के विवादित 2024 के चुनाव के दौरान जब शासन ने उनकी उम्मीदवारी पर रोक लगा दी थी, मचाडो ने विपक्षी प्रतिनिधि एडमंडो गोंजालेज उरुतिया का समर्थन किया था। उन्होंने मतदान केंद्रों की निगरानी, मतगणना का दस्तावेजीकरण और चुनावी धोखाधड़ी का पदार्फाश करने के लिए नागरिकों के नेतृत्व वाले प्रयासों की देखरेख की, जबकि सरकार असहमति को दबाने की कोशिश कर रही थी।

समिति ने अपने बयान में कहा, "मारिया कोरिना मचाडो ने दिखाया है कि लोकतंत्र के साधन शांति के साधन भी हैं। वह एक अलग भविष्य की आशा का प्रतीक हैं, जहां नागरिकों के मौलिक अधिकारों की रक्षा की जाती है और उनकी आवाज सुनी जाती है।"

कौन हैं मारिया कोरिना माचाडो?

मारिया वेंटे वेनेजुएला की राष्ट्रीय समन्वयक हैं, जिसकी उन्होंने 2013 में सह-स्थापना की थी। इसके साथ ही वह नेशनल असेंबली की पूर्व सदस्य भी रहीं। इसके साथ ही स्वतंत्र चुनावों को बढ़ावा देने वाले नागरिक समाज समूह सुमाते और लोकतांत्रिक परिवर्तन की वकालत करने वाले गठबंधन सोयवेनेजुएला की स्थापना में मदद की। अमेरिकी राज्यों के संगठन में मानवाधिकारों के हनन की निंदा करने के बाद 2014 में उन्हें संसद से निष्कासित कर दिया गया था। उन पर राजद्रोह और षड्यंत्र, यात्रा प्रतिबंध और राजनीतिक अयोग्यता के आरोप लगे हैं। मचाडो ने यूनिवर्सिडाड कैटोलिका आंद्रेस बेलो से औद्योगिक इंजीनियरिंग में डिग्री और वित्त विशेषज्ञता हासिल की है।

दो भारतीय को नोबेल पीस प्राइज मिल चुका है

मदर टेरेसा- कोलकाता में गरीब और बीमार लोगों की सेवा करती थीं। उन्होंने 1950 में मिशनरीज ऑफ चैरिटी शुरू की। 1979 में उन्हें नोबेल शांति पुरस्कार मिला, क्योंकि उन्होंने गरीबों की जिंदगी बेहतर की।

कैलाश सत्यार्थी- बच्चों को गुलामी से बचाने के लिए बचपन बचाओ आंदोलन शुरू किया। वे कारखानों और खानों से बच्चों को निकालकर स्कूल भेजते थे। 2014 में उन्हें मलाला यूसुफजई के साथ नोबेल शांति पुरस्कार मिला।

अमिताभ बच्चन का आज 83वां जन्मदिन है

- वो सुपरस्टार जिसका साल में दो बार मनाया जाता है जन्मदिन
- राजीव गांधी से रहा याराना, करियर के पीक पर हाथ लगी थी फकीरी

पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी के घनिष्ठ मित्र और बॉलीवुड के महानायक अमिताभ बच्चन साल में दो बार अपना जन्मदिन मनाते हैं। अपने करियर के पीक पर इस सुपरस्टार को कई कठिनाइयों का सामना करना पड़ा, लेकिन उन्होंने दमदार वापसी कर धूम मचा दी।

आज उस महानायक का जन्मदिन है, जिन्होंने भारतीय सिनेमा को एक नया आयाम दिया उनका नाम अमिताभ बच्चन है। 11 अक्टूबर 1942 को जन्मे अमिताभ बच्चन ने न केवल बॉलीवुड बल्कि अपनी एक्टिंग और किरदार से पूरे देश के लोगों के दिलों में खास जगह बनाई है। लेकिन, बहुत कम लोग जानते हैं कि बॉलीवुड के मेगास्टार साल में दो बार अपना जन्मदिन मानते हैं। अमिताभ बच्चन ने भले ही अपने करियर की शुरूआत एक सामान्य युवा के रूप में की थी, लेकिन बाद में वह हिंदी सिनेमा के सुपरस्टार बन गए। शुरूआत में उन्हें कई असफलताएं मिलीं, लेकिन उनकी मेहनत, जुनून और धैर्य ने उन्हें 'एंग्री यंग मैन' का खिताब दिलाया। उनकी आवाज, उनकी अदाकारी और उनके किरदार ने दर्शकों के दिलों को छू लिया। बिग बी अपनी फिल्मों के अलावा पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी के साथ अपनी बेहद खास बॉन्ड के लिए भी जाने जाते हैं।

इकलौता सुपरस्टार जो एक साल में मानते हैं दो बार जन्मदिन

सदी के महानायक अमिताभ बच्चन आज अपना 83वां जन्मदिन मना रहे हैं, जिन्हें 'जंजीर', 'दीवार', 'शोले', 'पिंक', 'शोले' जैसी फिल्मों के किरदारों ने अमर कर दिया। बॉलीवुड के सुपरस्टार बनने के साथ-साथ अमिताभ बच्चन ने टीवी जगत में भी अपनी छाप छोड़ी, खासकर शो 'कौन बनेगा करोड़पति' के जरिये। इस उम्र में भी अमिताभ मेहनत, अनुशासन और सकारात्मकता से लोगों को आगे बढ़ने की प्रेरणा देते हैं। उनका जन्मदिन सिर्फ एक जश्न नहीं, बल्कि संघर्ष, सफलता और सतत सीखने की कहानी है। अमिताभ बच्चन साल में दो बार जन्मदिन मनाते हैं, जिसके पीछे की कहानी काफी दिलचस्प है। बिग बी का दूसरा जन्मदिन 2 अगस्त को भी मनाया जाता है। इसे उनके चाहने वाले 'पुनर्जन्म का दिन' मानते हैं क्योंकि इस दिन उन्होंने मौत से जंग जीती थी।

जब पुनीत इस्सर की एक गलती अमिताभ पर पड़ी भारी

यह घटना 1982 की है। अमिताभ बच्चन 24 जुलाई को बेंगलुरु में फिल्म 'कुली' की शूटिंग कर रहे थे और एक एक्शन सीन के दौरान उनके पेट पर गलती से पुनीत इस्सर का घूंसा लगा, जिससे उनकी हालत गंभीर हो गई। उन्हें तुरंत अस्पताल ले जाया गया, जहां कई सारी सर्जरी करनी पड़ी। इसके बाद उन्हें मुंबई के ब्रिज कैंडी अस्पताल में शिफ्ट किया गया। डॉक्टर ने भी हार मान ली थी, लेकिन फिर चमत्कार हुआ और इस दिन को बिग बी अपने जन्मदिन के तौर पर मनाते हैं।

राजीव गांधी और अमिताभ बच्चन कैसे बने दोस्त

अमिताभ बच्चन एक्टिंग के अलावा राजनीति में भी हाथ आजमा है जो खुद को राजीव गांधी का दोस्त भी बताते हैं। जी हां, राजीव गांधी और अमिताभ बच्चन बचपन के दोस्त हैं। उन्होंने 1984 से 1989 तक देश के छठे प्रधानमंत्री के रूप में कार्य किया, लेकिन 1991 को तमिलनाडु में एक जनसभा को संबोधित करने के दौरान लिट्टे आतंकियों ने उनकी हत्या कर दी थी। राजीव गांधी और अमिताभ बच्चन की पहली मुलाकात सुपरस्टार के बर्थडे पर हुई थी। उस वक्त अमिताभ चार वर्ष के थे, जबकि राजीव दो वर्ष के। बचपन की दोस्ती का सिलसिला अंतिम सांस तक चला। बता दें कि राजीव और अमिताभ के बीच काफी अच्छी बॉन्ड थी। जैसी संजय गांधी और अभिजात बच्चन के बीच थी।

युवाओं से ज्यादा युवा हैं अमिताभ

25 वर्षों से सबसे व्यस्त अभिनेता, हर साल 7-8 प्रोजेक्ट्स में दिखाया दम

बॉलीवुड में मेहनत, अनुशासन और निरंतरता की मिसाल बन चुके महानायक अमिताभ बच्चन ने एक बार फिर साबित कर दिया है कि उम्र सिर्फ एक संख्या है। 81 वर्ष की उम्र में भी वह भारत के सबसे व्यस्त कलाकारों में शुमार हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार, पिछले 25 वर्षों (2000 से 2025) में अमिताभ बच्चन ने फिल्मों, टीवी, वेब सीरीज, विज्ञापनों और अन्य प्रोजेक्ट्स को मिलाकर 180 से अधिक प्रोजेक्ट्स किए हैं – यानी औसतन हर साल 7 से 8 बड़े काम।

फिल्मों से लेकर वेब तक हर मंच पर सक्रिय

जहां वर्तमान समय में कई बड़े सितारे साल में एक या दो फिल्मों में ही नजर आते हैं, वहीं अमिताभ बच्चन हर साल लगातार कई फिल्मों, विज्ञापनों और शोज में सक्रिय रहते हैं। उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार, उन्होंने पिछले ढाई दशकों में:

- 100 से अधिक फिल्में
- 50 से अधिक ब्रांड विज्ञापन
- 'कौन बनेगा करोड़पति' के 15+ सीजन
- दर्जनों वेब सीरीज व कैमियो रोल्स

जैसे प्रोजेक्ट्स में भाग लिया है। यह संख्या किसी भी समकालीन या युवा अभिनेता से कहीं अधिक है।

सोशल मीडिया पर भी सबसे सक्रिय

अमिताभ बच्चन न सिर्फ कैमरे के सामने बल्कि सोशल मीडिया पर भी बेहद सक्रिय रहते हैं। वे ट्विटर (अब), इंस्टाग्राम, फेसबुक और ब्लॉग्स पर रोजाना अपने विचार, शूटिंग शेड्यूल और व्यक्तिगत अनुभव साझा करते हैं। उनके अनुसार, मैं अपनी ऊर्जा अपने चाहने वालों से लेता हूं। उम्र नहीं, विचार बूढ़े होते हैं।

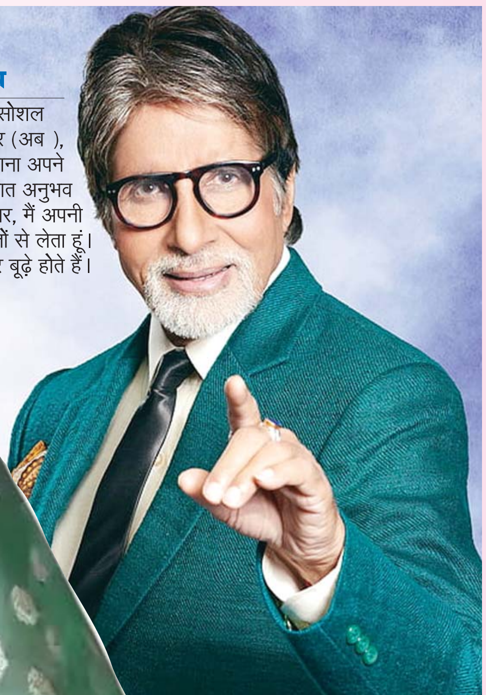

दिनचर्या में सख्त अनुशासन, 8-10 घंटे रोजाना काम

अमिताभ बच्चन की फिटनेस और काम के प्रति प्रतिबद्धता उनकी सफलता का राज है। वे आज भी रोजाना 8 से 10 घंटे तक शूटिंग करते हैं। हाल ही में उन्होंने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में लिखा: 'आज सुबह 6 बजे शूटिंग शुरू की थी, अब रात के 12 बजे पैकअप हुआ है लेकिन खुशी है कि काम कर रहा हूं।' उनका यह समर्पण ही उन्हें आज का सबसे अनुशासित कलाकार बनाता है।

2000 में 'कौन बनेगा करोड़पति' से नई शुरूआत

साल 2000 में टेलीविजन पर 'कौन बनेगा करोड़पति' की मेजबानी से बच्चन साहब ने एक नई पारी की शुरूआत की। इसके बाद उन्होंने न सिर्फ टीवी पर बल्कि बॉलीवुड में भी एक नई ऊंचाई को छुआ। 'ब्लैक', 'पा', 'पिंक', 'बदला', 'झुंड', 'उंचाई' और 'गुडबाय' जैसी फिल्मों में उनके दमदार अभिनय को सराहा गया। वर्तमान में भी वे 'क्लिकबेट', 'कालि', 'शोज' जैसे बड़े प्रोजेक्ट्स पर काम कर रहे हैं। इसके अलावा कुछ अनघोषित फिल्में भी उनकी झोली में हैं।

भारत ने पहली पारी 518/5 पर घोषित की

गिल और यशस्वी ने जड़े शतक

नई दिल्ली। भारत ने वेस्टइंडीज के खिलाफ दूसरे टेस्ट मैच के दूसरे दिन पहली पारी पांच विकेट पर 518 रन बनाकर घोषित कर दी है। भारतीय बल्लेबाजों ने इस मैच में भी शानदार प्रदर्शन किया और यशस्वी जायसवाल के बाद कप्तान शुभमन गिल ने भी शतक लगाया। गिल 129 रन बनाकर नाबाद लौटे। भारत ने जैसे ही ध्रुव जुरेल के रूप में पांचवां विकेट गंवाया, टीम ने पारी घोषित कर दी। भारत के लिए सबसे ज्यादा रन यशस्वी ने बनाए जो 175 रन बनाकर पवेलियन लौटे। भारत ने दूसरे दिन दो विकेट पर 318 रन से आगे खेलना शुरू किया, लेकिन यशस्वी और गिल के बीच तालमेल सही नहीं बैठ पाने के कारण जायसवाल रन आउट हो गए और दोहरा शतक लगाने से चूक गए। इसके बाद गिल ने नीतीश रेड्डी के साथ मिलकर चौथे विकेट के लिए 91 रनों की साझेदारी की। नीतीश अर्धशतक नहीं लगा सके और 43 रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद गिल ने गियर बदला और तेजी से खेलना शुरू किया। उन्होंने दूसरे सत्र में करियर का 10वां टेस्ट शतक पूरा किया। जुरेल भी अर्धशतक लगाने के करीब थे, लेकिन 44 रन बनाकर आउट हो गए। वेस्टइंडीज की ओर से जोमेल वारिकन ने तीन विकेट लिए, जबकि रोस्टन चेज को एक विकेट मिला।

129 रन

196 गेंद

युवा प्रशंसक के लिए रोहित ने सुरक्षाकर्मी को लगाई फटकार, फैंस से की मुलाकात

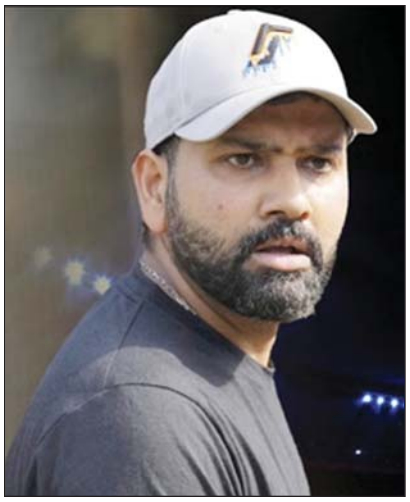

मुंबई। भारतीय टीम के पूर्व कप्तान रोहित शर्मा ऑस्ट्रेलिया दौरे की तैयारियों में जुट गए हैं। रोहित ने मुंबई के शिवाजी पार्क में अभिषेक नायर के साथ करीब दो घंटे तक ट्रेनिंग की। रोहित का प्रशंसकों के प्रति व्यवहार हमेशा ही नरम रहा है और एक बार फिर ऐसा ही देखा गया है। दरअसल, रोहित को ट्रेनिंग करते देखने के लिए काफी भीड़ इकट्ठी हो गई थी और इस दौरान एक युवा प्रशंसक रोहित से मिलने के लिए भागा, लेकिन सुरक्षाकर्मी ने उसे रोक दिया।

रोहित ने चैंपियंस ट्रॉफी फाइनल में खेला था आखिरी अंतरराष्ट्रीय मैच

38 साल के रोहित ने इस साल न्यूजीलैंड के खिलाफ चैंपियंस ट्रॉफी के फाइनल में भारत के लिए अपना पिछला मैच खेला था। भारत ने उनकी कप्तानी में 2024 में अमेरिका और वेस्टइंडीज में टी20 विश्व कप जीत के बाद चैंपियंस ट्रॉफी के रूप में लगातार दूसरा आईसीसी खिताब जीता था। रोहित के भविष्य पर लगातार सवाल उठ रहे हैं लेकिन उन्हें पुराने साथी विराट कोहली के साथ ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ वनडे सीरीज के लिए टीम में शामिल किया गया है।

सोशल मीडिया पर वायरल हुआ वीडियो

रोहित ने जब ये देखा तो उन्होंने सुरक्षाकर्मी को फटकार लगाई और उस युवा फैंस से मुलाकात की। इसका एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है जिसमें रोहित फैंस को रोकने पर भड़क गए और उन्होंने सुरक्षाकर्मी से उस प्रशंसक को उनसे मिलने देने के लिए कहा। रोहित का यह व्यवहार प्रशंसकों को काफी पसंद आया और सभी ने उनका अभिवादन किया। रोहित की जगह हाल ही में शुभमन गिल को वनडे टीम की कमान सौंपी गई थी जो 19 अक्तूबर से ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीन मैचों की वनडे सीरीज में जिम्मेदारी निभाएंगे।

शनिवार, 11 अक्टूबर राशिफल

मेष राशि के लिए आज का दिन व्यस्तता भरा रहेगा। आपको आज घर के कामकाज के साथ बच्चो की शिक्षा और करियर को लेकर भी चिंता हो सकती है। आज आपका जीवनसाथी के साथ तालमेल बना रहेगा। जीवनसाथी के साथ आप आज घर के जरूरी काम को पूरा कर पाएंगे।

वृषभ राशि के जातको के लिए आज का दिन प्रेम और आनंद से भरपूर रहेगा। आपका आज पारिवारिक कारोबार में घर के सदस्यों से पूरा सहयोग मिलेगा। लव लाइफ भी आपकी आज रोमांटिक रहेगी। परिजनों की सलाह का आपको आज लाभ मिलेगा।

मिथुन राशि के लोगों के लिए आज का दिन शुभ लाभदायक रहेगा। आज आप कुछ नया काम शुरू कर सकते हैं। आपको आज परिवार और जीवनसाथी से पूरा सहयोग मिलेगा। परिवार में यदि कोई विवाद चल रहा था तो वह आज सुलझता नजर आ रहा है।

कर्क राशि के जातको के लिए आज का दिन प्रेमपूर्ण रहेगा। आपकी लव लाइफ में प्रेम और तालमेल बढेगा। आप आज जीवनसाथी के साथ कहीं घूमने का प्लान बना सकते हैं। विदेश जाने के लिए प्रयास करने वाले जातकों को आज प्रयास में सफलता मिल सकती है।

सिंह राशि के लिए आज सितारे बताते हैं कि आपको आज अपने खर्च पर नियंत्रण रखने की जरूरत है। कुछ अप्रत्याशित खर्च आपको परेशान करेंगे। परिवार की कुछ जरूरतों के लिए आज आपको भागदौड़ करनी पड़ सकती है।

कन्या राशि के जातकों के लिए आज का दिन उत्साहवर्धक रहेगा। कार्यक्षेत्र में आज आपको काम के प्रति सजग रहना होगा। वैसे आज रोजगार के क्षेत्र में कुछ परिवर्तन का भी योग रहेगा। अगर आप निवेश करने की सोच रहे हैं तो आज आज का दिन आर्थिक मामलों में आपके लिए फायदेमंद रहेगा।

तुला राशि के जातको के लिए आज का दिन शुभ लाभदायक रहेगा। नौकरी व कार्य क्षेत्र में अधिकारी वर्ग का पूरा सहयोग रहेगा। घर के महत्वपूर्ण कार्य रुके हुए थे, आज उन्हें पूरा करने का समय मिलेगा। आज आप अपने माता-पिता के साथ किसी तीर्थ यात्रा पर जाने का प्लान बना सकते हैं।

वृश्चिक राशि से आज चंद्रमा के सप्तम भाव में होने से आज का दिन वृश्चिक राशि के जातकों के लिए लाभदायक रहेगा। आपको आज संतान की ओर से कोई शुभ समाचार मिल सकता है। पारिवारिक संपत्ति का भी लाभ आपको मिलेगा।

धनु राशि के जातको के लिए आज का दिन मिलाजुला रहेगा। आपको आज किसी सगे संबंधी से मिलना हो सकता है। किसी सगे संबंधी की आपको आज मदद भी करनी होगी। आपको आज परिवार के किसी सदस्य की सेहत को लेकर चिंता हो सकती है।

मकर राशि के जातको के लिए शनिवार का दिन लाभदायक रहेगा। आपको आज कार्यक्षेत्र में अपने प्रयास का पूरा फायदा मिलेगा। कार्यक्षेत्र में प्रगति होगी और वरिष्ठ व्यक्ति से आपको आज आज सहयोग मिलेगा। छात्रों को शिक्षा में कुछ उलझन और परेशानी का सामना करना पड़ सकता है।

कुंभ राशि के लिए आज सितारे बताते हैं कि आपको आज आर्थिक मामलों में बहुत ही संभलकर चलना होगा। आपको आज उधार लेनदेन से बचना होगा। दिया गया धन वापस मिलना कठिन होगा। सामाजिक कार्य करने से आज आपका यश बढ़ेगा।

मीन राशि के लोगों के लिए आज शनिवार का दिन शुभ लाभदायक रहेगा। आज आपको पारिवारिक व्यवसाय में बड़े भाई का सहयोग प्राप्त होगा। दांपत्य जीवन में आपसी सामंजस्य रहेगा लेकिन किसी बात को लेकर मानसिक तनाव भी हो सकता है।

डॉ. शिल्पा जैन
(एस्ट्रोलॉजर)
मो. 942560752

फीलिंग माइंड्स ‘मन को जानना ही मानसिक स्वास्थ्य का पहला कदम’

पीड़ा को बनाएं शक्ति
डॉ. चीनू अग्रवाल

एनएनआई

आगरा। विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस के अवसर पर फीलिंग माइंड्स संस्था एवं आईएसएमएचएए (ग्लोबल मूवमेंट फॉर मेंटल हेल्थ) के संयुक्त तत्वावधान में ‘पीड़ा को पावर बनाएं’ विषय पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। यह आयोजन विमल विहार, सिकंदरा-बोदला रोड स्थित फीलिंग माइंड्स संस्था के कार्यालय पर हुआ। संस्था की संस्थापक डॉ. चीनू अग्रवाल ने कार्यशाला को संबोधित करते हुए कहा कि संयुक्त राष्ट्र संघ ने वर्ष 1992 से विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस मनाने की घोषणा की थी ताकि मानसिक स्वास्थ्य को लेकर समाज में फैली भ्रांतियों को दूर किया जा सके। उन्होंने कहा कि लोग अपने शारीरिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूक हैं। योग, प्राणायाम और संतुलित आहार अपनाते हैं, परंतु मानसिक स्वास्थ्य को अब भी संकीर्ण दृष्टि से देखते हैं। मानसिक स्वास्थ्य कोई दिमागी बीमारी नहीं, बल्कि अपने ‘मन को जानने का विज्ञान’ है। डॉ. अग्रवाल ने आगे कहा कि प्रत्येक व्यक्ति दिनभर में कई बार नकारात्मक सोच में डूबता है। गुस्सा, भय या चिंता यदि बिना कारण बार-बार हो रही है, तो यह संकेत है कि मानसिक स्वास्थ्य डगमगा रहा है। ऐसे में अपने मन की बात साझा करना सबसे प्रभावी उपाय है। उन्होंने बताया कि मानसिक तनाव के कारण हर वर्ष विश्व को लगभग तीन सौ ट्रिलियन डॉलर का नुकसान होता है। आज अवसाद विश्व की सबसे बड़ी बीमारी बन चुकी है। लोग केवल अपनी समस्याओं से नहीं, बल्कि दूसरों की पीड़ा से भी मानसिक रूप से प्रभावित हो रहे हैं। हम भीड़ में रहते हुए भी अकेले हो गए हैं, क्योंकि हम झिझकते हैं अपने मन की बात कहने में। अब समय है कि हम अपने मन को स्वस्थ रखने के लिए खुलकर अपनी बात कहें, अपनी भावनाएं साझा करें। आप स्वयं अपने जीवन के नायक हैं, इस बात को स्वीकारें।

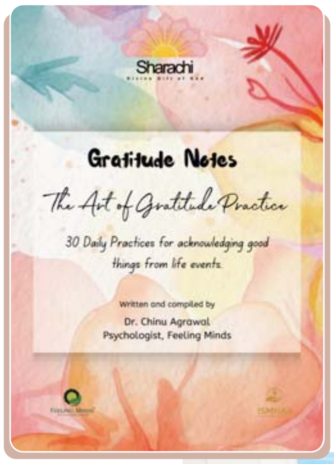

ग्रेटीटिट्यूट नोट्स का किया विमोचन

कार्यशाला के दूसरे सत्र में डॉ. चीनू अग्रवाल द्वारा लिखित पुस्तक ग्रेटीटिट्यूट नोट्स का विमोचन किया गया। इस पुस्तक में पूरे महीने के प्रत्येक दिन के लिए आभार व्यक्त करने की प्रेरक पंक्तियां और अभ्यास शामिल हैं, जो व्यक्ति को मानसिक रूप से संतुलित और सकारात्मक बनाए रखने में सहायक हैं। तीसरे सत्र में डॉ. सत्य सरस्वत, डॉ. शिवकुमार सिंह, डॉ. सोनाली गोस्वामी, कर्नल संजय गोस्वामी, डॉ. राकेश त्यागी, डॉ. जेपी सिंह शाक्य, डॉ. रेनू अग्रवाल, अधिवक्ता नम्रता मिश्रा, डॉ. नीलम, हेतल देसाई, नीता उमेश ध्रुव, कशिश आदि ने अपने मनोभावों को साझा किया। प्रतिभागियों ने अपने भावों को शब्दों और रंगों के माध्यम से कैनवास पर उकेरा। कार्यशाला की व्यवस्थाएं डॉ. रविंद्र अग्रवाल, शैलेश कुमार जिंदल, रितु सिंह, रवीना, चारु और मनोज शर्मा आदि ने संभालीं।